सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 308 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 22 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

नगर निगम व पालिकाओं में भारी फेरबदल, कई अफसर व कर्मचारियों का तबादला

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय विभाग में भारी तादात में अधिकारियों व कर्मचारियों तबादला किया गया है। बुधवार देर रात नगरीय प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में कई मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजस्व अधिकारी, उप अभियंता, स्वच्छता निरीक्षक व सफाई कामगारों के नाम शामिल है। विभाग द्वारा कुल 166 अधिकारी व कर्मचारियों का तबादला किया है। इसमें रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा, बस्तर, सरगुजा, रायगढ़ सहित अन्य जिलों में पदस्थापना दी गई है।

राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने 166 अधिकारियों और कर्मचारियों की नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। विभाग द्वारा मंत्रालय से इस संबंध में चार अलग-अलग आदेश जारी किए गए हैं। स्थानांतरित अधिकारियों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी से लेकर मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक, स्वच्छता निरीक्षक, राजस्व निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक, लेखापाल, सहायक ग्रेड-2, कैशियर, सफाई दरोगा, वाहन चालक, पंप अटेंडेंट और सफाई कामगार शामिल हैं।

बार में गूंजेगी बाघों की दहाड़

तैयार हो गया पूरा प्लान, अगले महीने शुरू होगा सर्वे

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बारनवापारा अभ्यारण्य में जल्द ही बाघों की दहाड़ की गूंज सुनाई देगी। इसको लेकर एनटीसीए ने अपनी सहमति दे दी है। इसकी औपचारिकता और सर्वे के लिए सितंबर में यहा टीम आएगी। सहमति के तहत एक बाघ और दो बाघिनों को यहां लाया जाएगा। पहले चरण में दो बाघिन को लाया जाएगा। इसके बाद बाघ को लाया जाएगा।

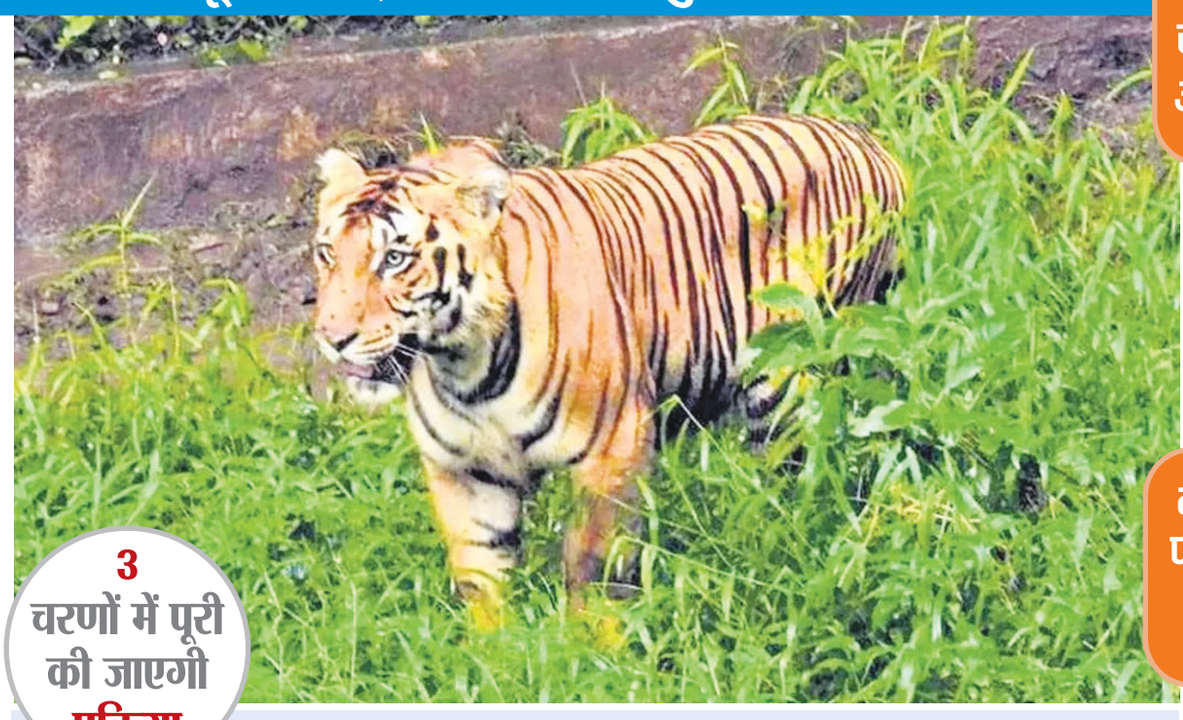

15 साल बाद आई तेजी

बारनवापारा के जंगलों में बाघों को बसाने की प्लानिंग पर बहुत तेजी से काम शुरू हुआ है। हालांकि यह प्रोसेस 15 साल से जारी है। इस बार इस पर तेजी से काम हो रहा है। अगस्त की शुरुआत में बारनवापारा-उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व फॉरेस्ट के एमडी विश्वेष झा प्रेजेंटेशन देने दिल्ली पहुंचे थे। जहां प्रेजेंटेशन में उन्होंने बताया कि बार के जंगलों में बाघ को आसानी से कैसे बसाया जा सकता है। साथ ही उनके भोजन के लिए जंगल में क्या व्यवस्था है, इसकी पर्याप्त उपलब्धता की जानकारी भी दी।

भोजन-पानी का पर्याप्त प्रबंध

वन विभाग ने जानकारी दी है कि बार के जंगल का कुछ क्षेत्र 250 स्क्वेयर किमी है। यहां वर्ष 2002-03 तक बाघ का मूवमेंट हुआ करता था। जंगल में 10 हजार से ज्यादा हिरण-चीतल हैं। वहीं बायसन और नील गाय 5 हजार से अधिक हैं। जंगली सुअर और कोटरी भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध हैं। इस आधार पर बाघों के रहवास के लिए यह क्षेत्र पूरी तरह से सुरक्षित है। भोजन और पानी का प्रबंध प्राकृतिक रूप से मौजूद होने से बाघों का कुनबा बढ़ाने में भी यह क्षेत्र सहायक है। इसी योजना को ध्यान में रखकर काम किया जा रहा है।

3 चरणों में पूरी की जाएगी प्रक्रिया

इसी प्रोसेस के दौरान पिछले हफ्ते दिल्ली से वन विभाग के नेशनल डायरेक्टर और एनटीसीए के सदस्य सचिव रायपुर आए। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने उनको पूरा प्लान बताया। इस पर उन्होंने भी हरी झंडी दे दी। वन विभाग के विशेषज्ञ बताते हैं कि बार में बाघों को बसाने की प्रोसेस तीन चरण में होगी। पहले चरण में विशेषज्ञों के द्वारा प्री-ट्रांस की करेगी। दूसरे चरण में ट्रांस लोकेशन व तीसरे चरण में पोस्ट ट्रांस लोकेशन होगा। इसका एक मॉडल सिस्टम बना है। इसके पालन के लिए विशेषज्ञों की टीम तैयार की गई है।

गौरतलब है कि रायपुर से लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित बारनवापारा अभ्यारण्य में बाघों को बसाने का प्लान कई साल पहले से किया जा रहा है। करीब 15 साल पहले यहां बाघों को लाने की योजना तैयार की गई थी, लेकिन यह फाइलों से बाहर ही नहीं निकल पाई। अब प्रदेश में सत्ता बदलने के बाद सरकारी कार्रवाई में तेजी आई है। बारनवापारा-उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के एमडी ने यहां बाघों को बसाने की प्लानिंग का प्रेजेंटेशन दिया। जिसे दिल्ली में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ने देखा। इसी प्रेजेंटशन के आधार पर एनटीसीए ने सहमति दी।

इसलिए प्रक्रिया में आई तेजी

जानकारी मिली है कि लगभग चार माह पूर्व एक बाघ भटककर बारनवापारा के जंगल में पहुंच गया। वह स्थाई रूप से यही रहने लगा। इस पर वन विभाग के द्वारा उसकी मॉनीटरिंग की। इसके बाद पता चला कि बाघ को यहां आसानी से भोजन मिल रहा है। इसके बाद इस जंगल में बाघों को बसाने के लिए प्रोसेस में तेजी आई। वन विभाग के अफसरों का कहना है कि बारनवापारा क्षेत्र बाघों की बसाहट के लिहाज से किसी भी अन्य क्षेत्र से कम नहीं है। यहां उनके पर्यावास के लिए तमाम चीजें उपलब्ध है।

साउथ सुपरस्टार थलपति विजय ने बनाई पार्टी झंडे और चिन्ह का किया आधिकारिक अनावरण

चेन्नई (एंजेसी)। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार थलपति विजय अब फिल्मों के साथ ही राजनीति में भी झंडे गाडने तैयार हो गए हैं। विजय ने गुरुवार को अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के झंडे और चिह्न का आधिकारिक रूप से अनावरण किया। इस दौरान विजय के पिता-माता भी पार्टी कार्यालय में मौजूद थे। थलपति विजय ने एक दिन पहले ही बता दिया था कि वे गुरुवार को अपनी पार्टी के चिन्ह व ध्वज का अनावरण करेंगे।

अनावरण कार्यक्रम के दौरान विजय ने कहा, 'मुझे पता है कि आप सभी हमारे पहले राज्य सम्मेलन का इंतजार कर रहे हैं। इसके लिए तैयारियां चल रही हैं

और बहुत जल्द मैं इसकी घोषणा करूंगा। उससे पहले मैंने आज हमारी पार्टी के झंडा अनावरण किया है। मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। हम तमिलनाडु के विकास के लिए मिलकर काम करेंगे।

पार्टी के झंडे का अनावरण करने से पहले अभिनेता से राजनेता बने विजय ने एक शपथ पढ़ी। उन्होंने कहा कि वह सभी जीवित प्राणियों के लिए समानता के सिद्धांत को कायम रखेंगे। शपथ में विजय ने पढ़ा, 'हम हमेशा उन सेनानियों की सराहना करेंगे, जिन्होंने हमारे देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहुति दी। हम हमेशा उन अनगिनत सैनिकों के योगदान को अपने जहन में रखेंगे, जिन्होंने तमिल भूमि से हमारे लोगों के अधिकारों के लिए अथक संघर्ष किया। मैं जाति, धर्म, लिंग, जन्म स्थान के नाम पर भेदभाव को दूर करूंगा। लोगों में जागरूकता पैदा करूंगा और सभी के लिए समान अवसर और समान अधिकार के लिए प्रयास करूंगा। मैं पूरी निष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं कि मैं सभी जीवित प्राणियों के लिए समानता के सिद्धांत को कायम रखूंगा।

राज्यपाल रमेन डेका से सपरिवार मिले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां राजभवन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सपरिवार सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय एवं परिजन उपस्थित थे।

एयर इंडिया के विमान में बम की धमकी

तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग

तिरुवनंतपुरम (एंजेसी)। एयर इंडिया के एक विमान में बम होने की धमकी से हड़कंप मच गया। एयर इंडिया का यह विमान 135 यात्रियों व क्रू मेंबर्स के साथ मुंबई से रवाना हुआ था। बम की धमकी मिलते ही अफसरों के होश उड़ गए। टेक ऑफ के बाद एयर इंडिया के विमान को केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर उतरा गया।

मिली जानकारी के अनुसार फ्लाइट 657

गुरुवार की सुबह करीब 8 बजे मुंबई से रवाना हुई थी। इसके बाद इसमें बम होने की धमकी मिली। इसके बाद विमान को तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर उतार लिया गया है। तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट की ओर से बताया गया कि बम की धमकी मिलने के बाद पूरी तरह से आपातकाल घोषित कर दिया गया। इसके बाद इसे एक आइसोलेशन बे में ले जाया गया। यात्रियों को सुबह 8.44 बजे विमान से सुरक्षित निकाल लिया गया। यात्रियों को असुविधा न हो इस वजह से हवाई अड्डे पर परिचालन जारी है। विमान में 135 यात्री सवार थे। अभी यह जानकारी नहीं मिल पाई है कि धमकी किसने और कैसे दी? मामले की जांच की जा रही है।

आंध्र प्रदेश की फार्मा फैक्ट्री में आग,17 की मौत

विशाखापट्नम (एंजेसी)। आंध्र प्रदेश में अनाकापल्ली जिले की एक फार्मा कंपनी में बुधवार दोपहर करीब 2.15 बजे आग लग गई। हादसे में पहले 18 मौतों की जानकारी सामने आई। देर रात प्रशासन ने 17 लोगों की मौत की पुष्टि की। 36 लोग जख्मी हैं। सभी को जिले के एनटीआर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना अच्युतापुरम स्थित फार्मा कंपनी एस्किएंटिया के प्लांट में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले

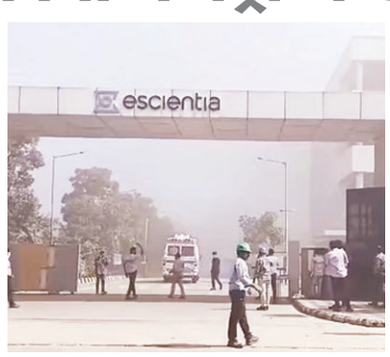

कंपनी के रिएक्टर के पास आग दिखी, फिर तेज धमाका हुआ। इससे बिल्डिंग के पहले फ्लोर का स्लैब ढह गया। लोगों ने कहा कि घायलों की संख्या ज्यादा हो सकती है, क्योंकि फैक्ट्री में 381 से ज्यादा कर्मचारी दो शिफ्ट में काम करते हैं। घटना के समय ज्यादातर कर्मचारी लंच पर गए थे। अधिकारियों ने बताया कि सॉल्वेंट ऑयल पहली मंजिल से दूसरी मंजिल पर पंप किया जा रहा था, तभी लीकेज हुआ और आग लग गई। इससे 500 किलोलीटर के कैपेसिटर रिएक्टर में ब्लास्ट हुआ।

डोम के हाथ का बना दाऊरा

श्रीकंचनपथ

डोम शब्द में ओम् की ध्वनि निहित है। इन्हें यह नाम भी भगवान शिव का दिया हुआ है। शिवजी ने ही डोम को श्मशान का राजा बनाया था। तभी से डोम जाति के लोग अंतिम संस्कार का दायित्व निभा रहे हैं। श्मशान में भले ही डोम को पूरा मान सम्मान मिले पर बाहर आते ही वह अछूत हो जाता है। यहां तक कि हरिजन भी डोम को दुत्कार कर दूर भगा देते हैं। चूंकि इनकी संख्या बहुत कम है इसलिए इनकी बस्तियां भी आधी अधूरी होती हैं। संख्याबल में इनकी औकात वोट बैंक बनने की भी नहीं है इसलिए किसी नेता की जुबान पर इनका नाम नहीं है। इनके लिए सरकार कोई योजना नहीं बनाती। बिहार में इनकी स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। वहां आबादी में इनकी संख्या महज 0 ।2 प्रतिशत है। पर सनातन में इन डोमों के लिए भी गजब की व्यवस्था थी। समाज के सभी अंगों को साथ रखने के लिए इतनी सुन्दर व्यवस्था कहीं और दिखाई नहीं देती। पौराणिक कथाओं के अनुसार एक बार शिव-पार्वती जब वाराणसी के मणिकर्णिका घाट आए तो पार्वती के एक कान का कुण्डल गिर गया। यह कालू नाम के एक सरदार को मिला। उसने इसे छिपा लिया। जब शिवजी ने क्रोधित होकर कुंडल छिपाने वाले अज्ञात व्यक्ति के नष्ट हो जाने की बात कही तो वह शिवजी के पैरों में आ गिरा। शिवजी ने उसे माफतो कर दिया पर श्मशान की जिम्मेदारी उसे सौंप दी। वैसे भी शिवजी का श्मशान से करीब का नाता है। इस तरह से डोम जाति का जन्म हुआ और तभी से मोक्ष प्राप्ति के मार्ग का वह एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है। त्रेतायुग में इक्ष्वाकु राजवंश के राजा हरिश्चंद्र को भी डोम के यहां नौकरी करनी पड़ी थी। अयोध्या नरेश श्रीराम इनके ही वंशज थे। डोम को भले ही समाज ने अछूत रखा हो पर कुछ खास पर्व त्यौहारों पर इनके हाथों से बनी बांस की टोकरियां, सूपा, दाऊरा का ही इस्तेमाल किया जाता है। वैसे डोम श्मशान में आने वाले शवों के परिजनों से भी शुल्क वसूलते हैं। इससे एक तरफ जहां इस समाज के लोगों को रोजगार मिल जाता है वहीं शेष समाज किसी न किसी रूप में इनसे जुड़ा रहता है। वैसे सनातन तो वेश्यावृत्ति के बारे में भी जानता था और उसे स्वीकारता था। देवी दुर्गा की प्रतिमा गढ़ने के लिए आज भी बंगाल में जिन स्थानों की मिट्टी लगती है, उसका एक हिस्सा वेश्यालय की चौखट से आता है। दरअसल, सनातन से यही बातें सीखने की हैं। इसमें समाज के सभी हिस्सों की आजीविका का भी ख्याल रखा गया है। जन्म से लेकर मृत्यु तक के प्रत्येक संस्कार में नापित, ब्राह्मण, डोम, कुम्हार, जुलाहा, बढ़ई सबकी अलग-अलग भूमिका तय की गई है। यही व्यवस्था समाज में इनके स्थान को भी सुनिश्चित करती थी। पर कुछ चतुर लोगों ने इसे ऊंच-नीच का स्वरूप दे दिया और सबकुछ बर्बाद हो गया।

संपादकीय

भारत बंद का संदेश

दलित और आदिवासी संगठनों द्वारा बुधवार को आयोजित भारत बंद का देश के अनेक क्षेत्रों में मिला-जुला असर दिखा है। आरक्षण को लेकर इन संगठनों की सजगता की तारीफ करनी चाहिए। यह यथोचित ही है कि ये संगठन नौकरियों, शिक्षा में हाशिये पर खड़े समुदायों के व्यापक प्रतिनिधित्व की मांग पर जोर दे रहे हैं। अपने सांविधानिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ही उन्होंने भारत बंद का आयोजन किया। इन संगठनों की चिंता पर कान देने के साथ ही इनकी आशंकाओं को दूर करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने बिना समय गंवाए ऐसा किया भी है, पर सत्ता पक्ष के बारे में जो आरक्षण विरोधी छवि बनाने की चेष्टा विगत महीनों में हुई है, शायद वह काम कर रही है।

> यह गौर करने की बात है कि केंद्र सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट किए जाने के बावजूद विपक्ष ने दलित-आदिवासी संगठनों का पूरा साथ दिया है। नतीजतन, देश में जहां-जहां दलितों और आदिवासियों की बहुलता है, वहां-वहां भारत बंद का असर ज्यादा दिखा है। कहीं यातायात में बाधा पड़ी, तो कहीं प्रदर्शनकारियों में उग्रता भी दिखी।

उत्तर प्रदेश के अनेक शहरों में मार्च निकाला गया है। बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भी बंद को अपना समर्थन दिया, तो अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी भारत बंद का समर्थन किया। कुछ जगहों पर पुलिस को भी सख्ती दिखानी पड़ी, लेकिन इस बार पुलिस को एक सबक भी मिला है। बिना सोचे-समझे लाठी चला देने की उसकी आदत ने पुलिस की जगहंसाई कराई है। बिहार में पटना के एसडीएम पर एक पुलिसकर्मी ने बंद समर्थक समझकर लाठीचार्ज कर दिया। यह गलती पुलिस वालों को याद रहनी चाहिए। पुलिस के पास ताकत है, पर यह ताकत जनता की भलाई के लिए इस्तेमाल हो, तो ही प्रशंसा की जा सकती है। क्या प्रदर्शनकारियों को समझाया नहीं जा सकता था? यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अनेक बड़े अधिकारियों ने पुलिस को अनुशासित रखने के लिए कुछ भी नहीं किया है। पुलिस की गुणवत्ता के बारे में सभी को पता है। अधिकारियों को इस बात का एहसास होना चाहिए कि पुलिस सुधार कितना जरूरी है। निहत्थे लोगों पर लाठी का प्रयोग भी अंतिम विकल्प ही है। कोई भी सभ्य समाज किसी भी महकमे को लाठी भांजने की इजाजत नहीं देता। साथ ही, प्रदर्शनकारियों को भी शिकायत की गुंजाइश नहीं छोड़नी चाहिए। अपनी मांग रखना, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना उनके सांविधानिक अधिकारों के तहत आता है, पर दूसरों को होने वाली परेशानी नजरंदाज नहीं होनी चाहिए। पुलिस के साथ ही प्रदर्शनकारियों से भी शालीनता और सभ्यता की उम्मीद की जाती है।

अब यह बहुत जरूरी हो गया है कि आरक्षण के बारे में फैल रही भ्रांतियों को दूर किया जाए। व्यवस्था के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ करना ठीक नहीं है। अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) समूहों के लिए कोटा के भीतर कोटा या आरक्षण के उप-वर्गीकरण के मामले को जल्दी से सुलझा लेना चाहिए। संसद से न्यायालय तक आरक्षण के विषय पर ऐसा कोई भी हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए, जिससे प्रभावित लोगों की भावनाएं आहत होती हों। आरक्षण सबके लिए चिंता का विषय है, पर यहां उग्रता की नौबत नहीं आनी चाहिए। जो भी बदलाव किए जाने हैं, वे समाज को पूरे विश्वास में लेकर ही किए जाने चाहिए।

नजरिया

कैसे बेखौफ होकर बीमारों की सेवा करेंगे डॉक्टर

कोलकाता में महिला रेजिडेंट डॉक्टर के साथ हुई बर्बरता उन तीन गंभीर बीमारियों की ओर इशारा करती है, जिनसे हमारा देश दशकों से जूझ रहा है। पहली, महिलाओं की तार-तार होती सुरक्षा। दूसरी, स्वास्थ्यकर्मियों के साथ हिंसा और तीसरी, कार्यस्थलों पर असुरक्षा।

चंद्रकांत लहारिया, वरिष्ठ चिकित्सक

शुरुआती दो चुनौतियों पर समय-समय पर बातें हुई हैं, लेकिन इन तीनों मोर्चों पर ठोस कार्रवाइयों का अब तक इंतजार है। भारत में शायद ही कोई ऐसा दिन हो, जब डॉक्टरों के साथ हिंसा की खबरें न आती हों, जबकि ऐसी हिंसा का दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। बेशक, तमाम राज्य कानूनी प्रावधानों के तहत स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा का दावा करते हैं, पर ये कानून जमीन पर प्रभावी तौर पर शायद ही लागू हुए हों। स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए अस्पतालों व चिकित्सा संस्थानों के भीतर भी सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए।

वास्तव में, स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए एक अलग और विशेष कानून की दरकार है। चिकित्सा पेशेवरों और चिकित्सा संस्थानों के खिलाफहिंसा रोकने संबंधी एक बिल साल 2019 से ही तैयार है, लेकिन इसे अब तक संसद की मजूंरी नहीं मिल सकी है। मेडिकल संघ इस आशय का अध्यादेश तुरंत लाने और इस बिल को जल्द से जल्द पारित करवाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी इच्छाशक्ति का अभाव दिख रहा है।

साफहै, कोलकाता मामले की पृष्ठभूमि में सरकार को आम महिलाओं की सुरक्षा और डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षित रखने के नए उपाय करने चाहिए। हालांकि, इस बाबत कोई केंद्रीय कानून कितना प्रभावी हो सकेगा, इस पर सवाल बना हुआ है। हां, जमीनी स्तर पर यदि गंभीरता से उनका क्रियान्वयन हो, तो बात बन सकती है। यही कारण है कि डॉक्टर अस्पतालों के भीतर सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, जिनमें सीसीटीवी निगरानी को बेहतर बनाने और तमाम संस्थानों में इसे सुनिश्चित करना शामिल है। मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों में मरीजों के रिश्तेदारों या तीमारदारों के प्रवेश करते समय सुरक्षा-जांच और ब्रेथलाइजर (श्वास परीक्षण) किया जाना चाहिए। डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के लिए शौचालय सहित सुरक्षित विश्राम कक्ष होने चाहिए। रात में महिला सुरक्षा गार्डों की नियुक्ति होनी चाहिए। प्रत्येक ड्यूटी रूम में अलार्म के साथ एक लाल बटन होना चाहिए, जो स्थानीय पुलिस स्टेशन व अस्पताल के सुरक्षा कक्ष से जुड़ा हो। कोई भी कानून अपने आप में काफी नहीं होता, इसलिए अस्पतालों को उग्र तीमारदारों से निपटने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण देना चाहिए। आत्म-सुरक्षा के लिए उन्हें पुलिस द्वारा भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

कोलकाता की घटना ने महिला सुरक्षा के मुद्दे को एक बार फिर जीवित कर दिया है। दिल्ली के निर्भया कांड को 12 साल हो चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर चीजें अब भी बहुत ज्यादा नहीं बदली हैं। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ यौन-हिंसा के अपराधियों को एक तय समय-सीमा में दंडित करने की व्यवस्था भी होनी चाहिए, तभी ऐसे अपराधों को रोकने में मदद मिल सकेगी। अब समय आ गया है कि कार्यस्थलों पर महिला सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाए। विशाखा दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन होना चाहिए। तमाम जिलों में महिला सुरक्षा से जुड़े अभियान चलाए जाने चाहिए और महिला कॉलेजों, अस्पतालों और छात्रावासों में रात में पुलिस गश्त होनी चाहिए।

यह सिर्फ एक युवा डॉक्टर के साथ बर्बरता का मामला नहीं है, बल्कि स्वास्थ्यकर्मियों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने का समय है। हम कानून लागू करने वाली एजेंसियों, नीति-निर्माताओं और समाज से निर्णायक कार्रवाई का आह्वान करते हैं। कोलकाता की घटना को हमें एक उत्प्रेरक के रूप में लेना चाहिए और ऐसा समाज बनाना चाहिए, जिसमें ऐसी घटना अकल्पनीय हो। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: वाला समाज हमें वापस चाहिए। भारत निश्चय ही बेहतर समाज बनाने का माद्दा रखता है, बस सुधार की प्रक्रिया को तीव्र गति देने की जरूरत है। इसका समय अब आ गया है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ठीक है, सरकार, पुलिस असफल है और हम...

सुनील दास

हर देश, हर शहर, हर समाज व हर परिवार के लोगों को पता रहता है कि बुराई क्या है, अपराध क्या है और उसे रोकना किसी एक की नहीं सबकी जिम्मेदारी है। जब सभी लोग मिलकर रोकने का प्रयास नहीं करते हैं तो बुराई होती रहती है, अपराध होते रहते हैं, सबको बुरा लगता है, सबको शर्म आती है कि हमारे शहर, गांव, परिवार में ऐसे कैसे हुआ, ऐसा कोई कैसे कर सकता है। हमारी सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि जैसे ही कहीं पर कोई बुराई होती है, कोई अपराध होता है।हम सबसे पहले इसके लिए दोषी कौन है, यह तय करने लग जाते हैं।हर कोई अपने अपने हिसाब से दोषी तय कर देता है, मान लेता है कि यह दोषी है, इसे सजा मिलनी चाहिए।

इसके बाद हम मान लेते हैं कि हमारा काम पूरा हो गया। हमने बुराई की निंदा की, बुरा करने वाले की आलोचना की, बुरा होने देने के लिए जो दोषी है, उनको बुराभला कहा। सजा देने वालों से कहा कि इसकी कड़ी सजा मिलनी चाहिए।सिर्फ कड़ी सजा मिलने से तो किसी भी देश में अपराध रुकते नहीं है। इसके लिए व्यवस्था की जाती है कि जिस तरह अमानवीय अत्याचार किसी महिला, किसी किशोरी, किसी बच्ची के साथ हुआ है, उस तरह का फिर न हो। ऐसी व्यवस्था किसी किसी जगह की जा सकती है लेकिन कोई भी व्यवस्था हमेशा इतनी अच्छी नहीं होती है कि कोई अपराध ही न कर सके।

बुरे से बुरा अपराध तो हर जगह हो सकता है, उसके लिए तो कोई खास जगह तय नहीं की जा सकती। कुछ अस्पताल, कुछ स्कूलों, कुछ संस्थानों में ऐसी व्यवस्था की जा सकती है कि वहां महिलाओं के साथ किसी को कुछ बुरा करने का मौका न मिले। कोलकाता के एक अस्पताल में एक महिला डॉक्टर के साथ रेपकर उसकी क्रूरता से हत्या कर दी। इतनी क्रूरता से हत्या कर दी कि जो सुनता है, जानता है, वह परेशान हो जाता है कि कोई आदमी इतना बेरहम, क्रूर कैसे हो सकता है। महाराष्ट्र में दो बच्चियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार कोई सफाई कर्मी करता है,रायगढ़ से खबर आती है कि महिला के साथ आठ लोगों ने गैंगरेप किया।यह एक दिन की खबर नहीं है,यह तो रोज की खबरें होती है। इन खबरों को पढ़कर किसी को भी लग सकता है कि महिला के साथ कहीं भी कुछ भी हो सकता है।सभी को बहुत बुरा भी लगता है, सभी को बहुत गुस्सा भी आता है।

सुप्रीम कोर्ट को भी बहुत गुस्सा आया है,उसने मेडिकल प्रोफेशनरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने सुझाव देने के लिए दस सदस्यीय नेशनल टास्क फोर्स का गठन किया है, उसे तीन सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी सभी लोगों की तरह ममता सरकार को फटकार लगाई है कि उसने इस मामले को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जितनी गंभीरता से लेने की जरूरत थी। हो सकता है कि रिपोर्ट आने के बाद सुप्रीम कोर्ट केंद्र व राज्य सरकारों से कहे कि देश के अस्पतालों में मेडिकल प्रोफेशनरों की सुरक्षा की कम से कम यह व्यवस्था होनी चाहिए। सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या इससे किसी अस्पताल में कोई अपराध नहीं होगा।

किसी डाक्टर के साथ कोई बुरा व्यवहार नहीं होगा। यह अपराध रोकने की बाहरी व्यवस्था है।कहीं कहीं की जा सकती है।ठीक उसी तरह जैसे शहर में अपराध रोकने के लिए पुलिस होती है, लेकिन इससे अपराध रुकते नहीं है, अपराध तो होते रहते हैं। अपराध करने वाले जब तक है, तब तक अपराध को रोका नहीं जा सकता। अपराध करने वाले को तो जहां अपराध करने का मौका मिलता है,वहीं अपराध करता है। पुलिस,कानून, सजा का डर होते हुए भी अपराध करता है। अपराध कम करना है तो अपराध करने वालों की संख्या कम करने की जरूरत है। किसी के अपराध करने के पहले ही उसे बताने की व्यवस्था होनी चाहिए कि अपराध करना बुरी बात है, यह कभी नहीं करना है। इससे खुद को तकलीफ होती है और दूसरों को भी तकलीफ होती है।

अपराध के प्रति बच्चे को शुरू से जागरूक करने की व्यवस्था जब तक परिवार, समाज, शहर, देश में नहीं होगी। अपराध को रोका नहीं जा सकता। उससे बचाने की व्यवस्था की जा सकती है। बचाने की कोई व्यवस्था इतनी व्यापक नहीं हो सकती कि कोई अपराध न कर सके। आदमी को अपराध करने से रोकने की व्यवस्था करके जरूर अपराध करने वालों की संख्या कम की जा सकती है। देश व शहर में जिस तरह अपराध करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है, उससे साफ है कि हम अपराध करने वालों की संख्या कम करने में असफल हैं। अब अपराध चाहे बंगाल में हो, महाराष्ट्र में हो, छत्तीसगढ़ में हो।उसके लिए सरकार दोषी है, पुलिस दोषी है, शहर के लोग दोषी है, परिवार दोषी,समाज भी दोषी है, क्योंकि हर अपराधी किसी देश, किसी राज्य, किसी समाज, किसी परिवार का हिस्सा होता है। वह अपराध करता है तो साफ है कि उसे ठीक से संस्कारित नहीं किया गया है। इसलिए मनुष्य समाज खुद को दोषी न माने लेकिन दोषी तो वह भी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सबकी कोशिशों से ही सुधरेगी शिक्षा

वंदना चव्हाण, अधिवक्ता व पूर्व राज्यसभा सांसद

आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने शिक्षा की गुणवत्ता पर फिर प्रकाश डाला है। इस संगठन के अनुसार, पिछली बार जब भारत ने साल 2009 में पीआईएसए या पीसा टेस्ट दिया था, तब भारत गणित, विज्ञान और पढ़ने की क्षमताओं में चीन से 12 साल पीछे था। लगभग 20 पीआईएसए (अंतरराष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम) अंक पढ़ाई के एक वर्ष के बराबर होते हैं। इन अंकों के आधार पर पता चलता है कि शिक्षा में कौन देश किससे कितना आगे या पीछे है। इस पैमाने पर पिछले 15 वर्षों में दुनिया के दो सबसे बड़े देशों के बीच बड़ा अंतर पैदा हो गया है। 2010 और 2023 के बीच चीन में उच्च शिक्षा में छात्रों की सकल नामांकन दर (जीईआर) 26.5 प्रतिशत से बढ़कर 60.2 प्रतिशत हो गई है, जबकि भारत में यह दर साल 2017 से ही 25-28 प्रतिशत के बीच स्थिर है। गणित, विज्ञान और अक्षर पढ़ने जैसी बुनियादी साक्षरता में कमी की वजह से भारत की श्रम उत्पादकता चीन की तुलना में 44 प्रतिशत कम हो गई है।

इससे भी महत्वपूर्ण पहलू यह है कि बुनियादी पढ़ाई में असमर्थता की वजह से विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों में निराशा पैदा हो गई है। यही वजह है कि कक्षा एक में दाखिला लेने वाले 10 में से आठ भारतीय छात्र कक्षा आठ तक नहीं पहुंच पाते हैं। 25 प्रतिशत शिक्षक कक्षा में भी नहीं आते हैं और माता-पिता व अभिभावकों को बड़े पैमाने पर यह चिंता नहीं होती है कि उनका बच्चा पढ़-सीख भी रहा है या नहीं? वास्तव में, इससे एक पैदा हो गया है।

समस्या शिक्षा पर खर्च करने की नहीं है, बल्कि शिक्षा के प्रति समुदाय या समाज की भागीदारी और रवैये की है, जिसका बच्चे के पढ़ने-सीखने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यहां वियतनाम एक मिसाल है, विश्व बैंक के शोधकर्ताओं ने पाया कि पीसा टेस्ट में आधे अंक तो केवल सामुदायिक या समाज के सहयोग से हासिल किए जा सकते हैं। जब माता-पिता ने छात्रों और शिक्षकों से अपेक्षा की, तो देश की शिक्षा में सुधार आया, पर ध्यान रहे, आज वियतनाम शिक्षा पर प्रति व्यक्ति खर्च के मामले में विश्व स्तर पर सबसे निचले तीन देशों में आता है। जब आप इसकी तुलना भारत की स्कूल प्रबंधन समितियों से करते हैं, तो असमानता स्पष्ट हो जाती है। यहां 88 प्रतिशत सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों ने ऐसी समितियों का गठन किया है, लेकिन प्रधानाध्यापक, शिक्षक और विशेष रूप से माता-पिता बच्चों की शिक्षा में अपनी भूमिका के प्रति पूरी तरह जागरूक नहीं हैं।

इस दुश्चक्र को तोड़ना जरूरी है। समाज के प्रमुख शुभचिंतकों के व्यवहार को बदलने के लिए संस्थागत हस्तक्षेप की जरूरत है। शिक्षकों और अभिभावकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए एक तंत्र बनाना होगा। हमें अपने शिक्षकों को ज्यादा पढ़ाने देना चाहिए। 'समग्र' के एक अध्ययन के अनुसार, अधिकांश शिक्षक अपना 37 प्रतिशत से भी कम समय शिक्षण गतिविधियों में बिताते हैं, जिससे उनके पास सप्ताह में पढ़ाने के लिए महज 13 घंटे बचते हैं। ऐसे में, शिक्षकों का ज्यादा ध्यान उन छात्रों पर केंद्रित हो जाता है, जिनमें सीखने की क्षमता है, दूसरे छात्रों को वे अनदेखा कर देते हैं। कम आत्मसम्मान, स्वायत्तता का निम्न स्तर और मान्यता की कमी की वजह से भी शिक्षक हतोत्साहित होते हैं और स्थिति बदतर हो जाती है।

हमारे शिक्षकों के पास जो उपलब्ध समय है, उसमें हमें प्रयास करना होगा कि उनके लिए प्रभावी ढंग से पढ़ाना आसान बने। उन्हें सही शिक्षण सामग्री के साथ जरूरी उपकरण प्रदान करने पड़ेंगे। प्रौद्योगिकी में उन्हें सक्षम बनाना होगा। मिसाल के लिए, सत्य भारती स्कूलों में शिक्षकों को एक एप प्रदान किया गया था, जो उन्हें बच्चे की क्षमता के आधार पर कार्य सौंपने की अनुमति देता था। इस अध्ययन से पता चला कि बच्चों ने न सिर्फ बेहतर सीखा, बल्कि 94 प्रतिशत शिक्षक इस बात से सहमत थे कि यह एप विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है। साथ ही, शिक्षकों के प्रशासनिक बोझ को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही शिक्षकों को सुनियोजित शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से आगे बढ़ने के रास्ते दिए जाने चाहिए। अभी सिर्फ एक-तिहाई शिक्षक यह मानते हैं कि उनका सेवाकालीन प्रशिक्षण काफी हद तक फायदेमंद था। शिक्षकों में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन करने वालों को पहचानने की रूपरेखा बहुत प्रभावी साबित हो सकती है। मिसाल के लिए, मध्य प्रदेश में 'क्लासरूम हीरोज' कार्यक्रम है, जो अनुकरणीय शिक्षकों और पढ़ाने की उनकी शैली को प्रोत्साहित करता है। अच्छे शिक्षकों को जब हम सम्मानित करते हैं, तो शिक्षा में नया जोश पैदा होता है।

हालांकि, छात्र अपना सिर्फ 20 प्रतिशत समय कक्षा में और बाकी समय घर पर बिताते हैं। इसी वजह से शिक्षा की गुणवत्ता में माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। वैश्विक अध्ययनों से पता चला है कि मजबूत अभिभावकों की भागीदारी वाले स्कूलों में पढ़ने-सीखने केपरिणामों में सुधार की संभावना 10 गुना बढ़ जाती है।

हालांकि, एक पहलू यह भी है कि माता-पिता की सामाजिक-आर्थिक स्थिति (एसईएस) उनके बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियों को प्रभावित करती है। कम एसईएस वाले माता-पिता की तुलना में उच्च एसईएस वाले माता-पिता के बच्चे आमतौर पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। अच्छी सामाजिक-आर्थिक स्थिति वाले माता-पिता अपने बच्चे की शिक्षा पर प्रति सप्ताह 70 से अधिक मिनट अतिरिक्त खर्च करते हैं। मतलब, पढ़ने-सीखने के मामले में दो समूह बन जाते हैं और जिनके बीच बड़ा अंतर पैदा हो जाता है। बहरहाल, स्कूल में बच्चे के प्रदर्शन के बारे में माता-पिता को तमाम प्रासंगिक सूचनाएं देना जरूरी है। मिसाल के लिए, अमेरिका में बच्चे की अनुपस्थिति, छूटे हुए होमवर्क और कम ग्रेड जैसी जानकारी माता-पिता को देने से पाठ्यक्रम विफलताओं में 27 प्रतिशत की कमी आई है। वास्तव में, एक बच्चे को पढ़ाई के लिए पूरे एक गांव या समाज की जरूरत पड़ती है। उस गांव या समाज में शिक्षक, माता-पिता और समाज के नेता भी शामिल हैं। पढ़ाई से इन सभी को जोड़ने के तरीके खोजने से सबके व्यवहार में स्थायी बदलाव आएगा और ऐसा करना भारत के निपुण भारत मिशन को कामयाब बनाने के लिए भी जरूरी है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

न्यू किट्टी बुक एंड स्टेशनरी मार्ट
• खाता बही, माला,
• फ्लावर झालर,
• लेजर बुक,
• कैश बुक,
• रोकड़ बही खाता
• कैलेंडर स्टेशनरी सामान
किसी भी बुक एंड स्टेशनरी में जाने से पहले एक बार न्यू किट्टी में जरूर पधारें...
नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई, मो.-9584917866, 6261748903

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)

योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

बीएसपी-सीएसआर द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी कड़ी में 21 अगस्त 2024 को स्टोर पारा पुरैना में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में सीएसआर मेडिकल टीम से चिकित्सक डॉ राहुल सिंगरोल, बीपी, शुगर एवं रक्त जांच हेतु रेखा देव, फार्मासिस्ट सुशन जैकब, पंजीयन हेतु आशतोष सोनी उपस्थित थे। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में 26 पुरुष, 28 महिला तथा 14 बच्चे सहित कुल 58 लोगों की जांच कर उन्हें नि:शुल्क दवाएं प्रदान की गई। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:शुल्क जाँच की सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

स्वच्छता नोडल अधिकारी ने निगम क्षेत्र में चल रहे सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया

भिलाई। 20 अगस्त को जिला शिक्षा विभाग के कॉर्डिनेटर जिला कलेक्टर दुर्ग के आदेश का पालन करते हुए स्वच्छता नोडल अधिकारी द्वारा निगम भिलाई क्षेत्र का औचक सर्वे करने पहुंचे। नोडल अधिकारी द्वारा वार्ड क्रमांक 31 से 35 तक के वार्डों का बारिकी से सर्वे किया गया। नोडल अधिकारी सुरेन्द्र पांडे द्वारा प्रमुख रूप से सड़क सफाई, नाली की सफाई एवं डोर-टू-डोर कराये जा रहे सफाई कार्यो की जानकारी प्राप्त की गई। उनके द्वारा सफाई व्यवस्था को देखकर निगम के कार्य की सराहना की गई। इसी प्रकार स्व सहायता समूह की महिलाओ द्वारा डोर-टू-डोर वार्डो एवं घरो में जाकर सफाई एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के बारे में प्रचार-प्रसार कर रही है उनकी जानकारी प्राप्त किये। साथ ही समूह की महिलाओ द्वारा सफाई को लेकर नागरिको से कचरा सड़को एवं नालियों में नहीं डालने की समझाईस दे रही है उनके बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

अग्निवीर भर्ती हेतु नि:शुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण प्रारंभ

दुर्ग। भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु माह अप्रैल 2024 में आयोजित लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए नि:शुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण आज से प्रारम्भ हो गई है। उपसंचालक रोजगार श्री राजकुमार कुर्रे से प्राप्त जानकारी अनुसार विकासखण्ड दुर्ग में 43, पाटन-13, धमधा-08 आवेदक प्रशिक्षण के पहले दिन उपस्थित हुए। रविशंकर स्टेडियम दुर्ग में एन.आई.एस. कोच विनोद नायर, पी.टी.आई. बालकदास डाहरे, पाटन में ललित साहू, भवानी शंकर तथा धमधा में दुष्यंत महोबिया, शिवकुमार रजक द्वारा युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने लिखित परीक्षा पास कर ली है, वे प्रशिक्षण के लिए अपने विकासखण्ड मुख्यालय स्थान रविशंकर स्टेडियम दुर्ग कॉलेज मैदान सिरनाभाठा धमधा खेल मैदान रेस्ट हाउस के पीछे पाटन में प्रात: 06 बजे उपस्थित हो सकते है। परिचय पत्र की छायाप्रति तथा 1 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ प्रशिक्षक के पास जमा करना होगा।

राज्यपाल रमेन डेका ने देखा भिलाई स्टील प्लांट का प्रोडक्शन, सांसद बघेल भी रहे मौजूद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राज्यपाल रमेन डेका ने बुधवार को भिलाई प्रवास के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण किया। इस दौरान सांसद विजय बघेल भी साथ मौजूद थे। राज्यपाल डेका ने भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस, रेल पथ मिल्स, सेफ्टी पाइंट और इस्पात गार्डन का अवलोकन किया। बीएसपी के अधिकारियों ने राज्यपाल को संयंत्र में इस्पात निर्माण की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया।

इससे पहले भिलाई प्रवास के दौरान राज्यपाल ने भिलाई निवास में बीएसपी के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान सांसद विजय बघेल, भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रबंध निदेशक अनिर्बन दास गुप्ता, प्रबंध निदेशक मानव संसाधन पवन कुमार ने भिलाई निवास पहुँचने पर राज्यपाल डेका का आत्मीय स्वागत किया और राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। भिलाई प्रवास के दौरान राज्यपाल रमेन डेका ने प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता पर जोर देते हुए पर्यावरण संवर्धन के लिए सभी से एक पेड़ लगाने का आह्वान किया है। राज्यपाल ने जिले में विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के अलावा सामाजिक हितों के लिए जिले में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली।

जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता जरूरी: राज्यपाल

राज्यपाल मेन डेका ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता पर जोर देते हुए पर्यावरण संवर्धन के लिए सभी से एक पेड़ लगाने का आह्वान किया है। राज्यपाल डेका ने दुर्ग जिले में आयोजित प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में उक्त आशय के विचार व्यक्त किए। राज्यपाल ने जिले में विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के अलावा सामाजिक हितों के लिए जिले में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। राज्यपाल ने कहा कि सरकार की योजनाओं का सफल क्रियान्वयन अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाता है। कल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से इसका लाभ जन-जन तक पहुंचता है। उन्होंने अधिकारियों को दायित्वों का निर्वहन कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और समर्पण की भावना से करने कहा। राज्यपाल डेका ने अधिकारियों से एजेण्डावार 20 विषयों पर विचार-विमर्श किया। साथ ही इस पर प्रशासनिक अधिकारियों से सुझाव आमंत्रित किए। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले की योजनाओं के संबंध में पॉवर पांइट प्रेसेन्टेशन दिया। बैठक में संभागायुक्त एस.एन. राठौर, पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

'एक पेड़ मां के नाम' पर राज्यपाल रमेन डेका ने लगाया कचनार का पौधा

दुर्ग। राज्यपाल रमेन डेका दुर्ग प्रवास के दौरान तितुरडीह स्थित कृष्ण कुंज में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत कचनार के पौधे का रोपण किया। विधायक गजेन्द्र यादव ने भी जामुन का पौधा लगाया। इस अवसर पर संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी, डीएफओ चंद्रशेखर परदेशी, अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार शुक्ला, एसडीएम दुर्ग मुकेश रावटे उपस्थित थे।

कोक ओवन के कर्मचारी शिरोमणी पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में शिरोमणी पुरस्कार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट तथा अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसी के तहत संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में 20 अगस्त 2024 को पाली एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तरूण कनरार उपस्थित थे। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तरुण कनरार ने अप्रैल से जून 2024 के लिए जूनियर ऑफिसर पी सुरेश नायर को पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया। मास्टर टेक्नीशियन दिल्पत दास मानिकपुरी एवं मास्टर ऑपरेटर भोपाल सिंह ब्रहेंन को जुलाई 2024 के लिए कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कार विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र तथा उनके जीवनसाथी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। तरूण कनरार ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने सुरक्षा को प्राथमिकता देकर आगे भी इसी तरह लगन से कार्य करते रहने तथा अपने अधीनस्थ कार्मिकों को भी कार्य में निपुण करने के लिए सभी पुरस्कार विजेताओं को प्रेरित किया। इस समारोह में महाप्रबंधक झगर सिंह, महाप्रबंधक बी सी मंडल, महाप्रबंधक टी उमाशंकर, वरिष्ठ प्रबंधक गुरशरण सिंह, एस डेनियल तथा रामू रंजन मेहर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। उपस्थित सभी अनुभाग प्रमुखों एवं अधिकारियों ने भी पुरस्कार विजेताओं के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन कार्मिक अधिकारी एमटीटी मारेपल्ली तन्मयी ने किया तथा सेक्शन ऑफिसर मोहम्मद अनीस नजीर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

श्री रामलला दर्शन के लिए रवाना हुए दुर्ग और बस्तर संभाग के 850 तीर्थ यात्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। श्री रामलला दर्शन योजना के तहत दुर्ग संभाग और बस्तर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को नि:शुल्क यात्रा कराई जाएगी। तीर्थयात्रियों का दल 22 अगस्त 2024 को दुर्ग रेल्वे स्टेशन से दोपहर 12 बजे स्पेशल ट्रेन से श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम की यात्रा के लिए रवाना हुए। समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक अमित सिंह परिहार ने बताया कि रामलला दर्शन पश्चात् तीर्थयात्रियों का दल 25 अगस्त 2024 को मध्य रात्रि स्पेशल ट्रेन से ही दुर्ग वापस पहुंचेगी। तीर्थ यात्रा में दुर्ग जिले अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग से 07, भिलाई से 07, भिलाई-चरोदा से 07, रिसाली से 07, नगर पालिका परिषद जामुल से 03, कुम्हारी से 03, अहिवारा से 03, जनपद पंचायत दुर्ग से 45, पाटन से 45 और धमधा से 45 श्रद्धालु शामिल किए गए है। दुर्ग रेल्वे स्टेशन में 22 अगस्त को दोपहर 12 बजे जन प्रतिनिधियों द्वारा स्पेशल ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

निगम सभागार में प्रमुख विषयों पर समीक्षा बैठक, शिकायत का निराकरण करने निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम भिलाई आयुक्त के निर्देश पर अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने निगम सभागार में अधिकारियों की समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में शहर के नागरिको की मांग एवं शिकायत के निराकरण के विषयों पर प्रमुखता से चर्चा की गई। जिससे नागरिको की समस्याओ का शीध्र निराकरण किया जा सके।

अपर आयुक्त ने सभी अधिकारियो को निर्देशित किये है, कि कलेक्टर जनदर्शन, कलेक्टर जन शिकायत, कलेक्टर जनचैपाल, मुख्यमंत्री जनदर्शन, साारर्थी एप में प्राप्त मांग एवं शिकायत का निराकरण करने के निर्देश दिये है। 05 अगस्त से पहले जो भी मांग एवं शिकायत प्राप्त हुए है, उसको तत्काल निराकरण करने कहा गया है। नागरिको की सुविधा के लिए पानी, बिजली, सफाई एवं राशन कार्ड आदि का जनसमस्या निवारण शिविर लगाया गया था। इसमें भी नागरिको द्वारा मांग एवं शिकायत की गई है, जिसका निराकरण भी शीध्र करने के निर्देश दिये है। इसी प्रकार जी.व्ही.पी. के तहत रेड स्पॉट, येलो स्पॉट का निरीक्षण कर व्यवस्था को सुदृड़ बनाते हुए निराकरण करने को कहा गया है। नगर निगम भिलाई अंतर्गत तैयाहारी सिजन को ध्यान में रखते हुए रोड के किनारे सामग्री बेचने वालो पर कार्यवाही करते हुए सामग्री को हटाने को कहा गया है। मौसमी बिमारी जैसे- पीलिया, डायरिया, डेंगू लगातार सर्वे कर उचित निर्णय लिये जाने को कहा गया है। जहां भी बिमारी प्रभावित क्षेत्र है वहां के पानी सेंपल लेकर जॉच कराने के निर्देश दिये है। रोका छेका अभियान द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवारा बैठे एवं घूम रहे मवेशी को पकड़ने तथा मवेशी मालिको पर अर्थदण्ड की कार्यवाही करने को कहा गया है। इसी कड़ी में ओबीसी सर्वे के लिए बीएलओ के साथ ऑपरेटरो की ड्यूटी लगाकर कार्य कराये जाने के निर्देश दिये है। बैठक में उपायुक्त, सर्व जोन आयुक्त, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, राजस्व अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी, उद्यान अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

दुर्घटना से बचाने पहलः सड़कों पर बढ़ाई चौकसी, मवेशी दिखते ही पहुंच रही टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। मवेशी की वजह से सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने नगर पालिक निगम रिसाली ने सड़क पर चैकसी बढ़ा दी है। अलग-अलग मुख्य सड़कों पर नजर रखने अधिकारी कर्मचारियों को तैनात किया गया है। बुधवार को चले अभियान में अलग-अलग स्थानों से 6 दुधारू मवेशी को गोठान पहुंचाया गया।

आवारा और घुमंतु मवेशी से होने वाली परेशानी को कम करने आयुक्त मोनिका वर्मा ने जिम्मेदारी तय कर दी है। प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक डीपीएस चैक रिसाली से बालाजी अपार्टमेंट तक और वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक जोहार चौक से शिवाजी चौक तक निगरानी रखेंगे। वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक शिवाजी चैक रिसाली से बीआरपी चौक तक और प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी मैत्री गार्डन से उमरपोटी रोड पर मवेशी तो नहीं बैठी है इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। दो उप राजस्व निरीक्षक पंथी चौक से डीपीएस चौक और जोहार चौक से मैत्री विद्या निकेतन, राजस्व निरीक्षक डुण्डेरा सहाग्रेड 02 को जोरातराई, पुरैना के सड़कों और सहायक राजस्व अधिकारी पुरैना के सड़कों पर निगरानी करेंगे। आयुक्त ने जिम्मेदारी तय करते निर्देश दिए है कि लापरवाही होने पर प्रभारी अधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत का निराकरण

सड़कों पर मवेशी होने की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। बुधवार को चले अभियान में कुल 6 मवेशी को पकड़कर गोठान पहुंचाया गया। मवेशी को गोठान में रखने की व्यवस्था की गई है।

कंट्रोल रूम भी बना

आयुक्त के निर्देश पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जहां नागरिक आवारा पशु होने की शिकायत कर सकते है। 9770977188 पर मिले शिकायत को तत्काल क्षेत्र प्रभारी के पास भेजा जाएगा। शिकायत मिलते ही मवेशी को गोठान पहुंचाया जा रहा है।

दुर्ग शहर विधायक ने नियुक्त किए प्रतिनिधि

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने अपने विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत सभी शासकीय हायर सेकेण्डरी, हाई स्कूल, मिडिल स्कूल एवं प्रायमरी स्कूलों के शाला प्रबंधन हेतु विधायक प्रतिनिधियों की नियुक्ति किए। नियुक्त हुए प्रतिनिधियों की टोली ने विधायक से भेंट कर उनके प्रति आभार व्यक्त किए। कसारीडीह बोरसी भाजपा मंडल से प्रतिनिधि गणों में पोषण साहू, सुनील साहू, दीपक उमरे, कौशल साहू, लाकेश्वर साहू, कुलदीप साहू, डॉ. केशव साहू एवं अन्य कार्यकर्ता लीलाधर पाल, अनुपम मिश्रा, मोहन बागुल, देवेंद्र टंडन,अश्वनी साहू उपस्थित रहे । गणेश निर्मलकर, महेन्द्र चोपड़ा, दुष्यंत साहू, राजकुमार यादव, आदित्य झा, मीना वर्मा सहित अन्यों की भी नियुक्तियां हुई है ।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

सड़कों से सख्ती से हटाए जाएंगे आवारा मवेशी

रायपुर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने नगरीय विकास विभाग, जनपद पंचायत, पशुपालन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों सहित एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अलग-अलग सड़कों, चौक-चौराहे पर बैठने वाले आवारा मवेशियों को हटाने की सख्त कार्यवाही करें, इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं बरतने के निर्देश भी दिए हैं। स्कूली एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं को समय पर आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र बने, इसके लिए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना न करना पड़े इसलिए समय पर यह प्रमाण-पत्र तत्काल बनाकर दिए जाए। वहीं श्रम विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने जिला श्रम अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि श्रमिकों के पंजीयन कार्य में तेजी लाएं साथ ही शिविर भी आयोजित करें ताकि पात्र हितग्राहियों का श्रमिक पंजीयन कार्ड बन सके।

राशन कार्ड बनने के बाद भी नहीं मिला, कॉल सेंटर की मदद से मिला कार्ड, सीएम का जताया आभार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन पर समस्या का समाधान मिल रहा है। रायपुर जिले के वार्ड क्रमांक 41 डब्लूआर एस कॉलोनी निवासी श्रीमती तुलसी देवी का सामान्य राशन कार्ड बना था, लेकिन नए राशन कार्ड बनाने के लिए उन्होंने आवेदन किया था. कार्ड बनने के बाद भी नहीं मिल रहा था, तभी उन्होंने जिला प्रशासन के जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में फ़ोन किया। जिसके बाद संबंधित विभाग ने प्रकरण की जानकारी दी गई। इसके बाद उन्हें तुरंत नया राशन कार्ड जारी कर दिया। राशन कार्ड मिलने पर श्रीमती तुलसी देवी ने संतुष्टी जताई और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताया।

युवाओं ने जनसम्पर्क विभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी को सराहा

प्रदर्शनी में मिल रही छत्तीसगढ़ के पुरोधाओं की रोचक जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनसंपर्क विभाग द्वारा स्थानीय टाउन हॉल में लगाई गई राज्य सरकार की उपलब्धियों एवं स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले छत्तीसगढ़ के महान वीर क्रांतिकारियों के जीवनवृत्त पर आधारित इस छायाचित्र प्रदर्शनी को विद्यार्थियों, युवाओं सहित सभी वर्ग के लोगों ने सराहा। 15 अगस्त से 21 अगस्त लगाई गई इस प्रदर्शनी का बुधवार को समापन हुआ। प्रदर्शनी स्थल पर युवाओं के लिए क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है।

राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित टाउन हॉल में इस प्रदर्शनी को देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी, युवाओं और विभिन्न वर्ग के लोग आए। इस प्रदर्शनी में राज्य सरकार की उपलब्धियों एवं देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले छत्तीसगढ़ के महान क्रांतिकारियों की स्मृतियों को बड़े ही आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया था। यह प्रदर्शनी स्कूली विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक रही।

प्रतिदिन यहां प्रदर्शनी देखने के लिए आने वाले स्कूली विद्यार्थियों के मध्य क्विज प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विजयी प्रतिभागियों को तत्काल मिलने वाले पुरस्कार से प्रदर्शनी को लेकर स्कूली विद्यार्थियों और युवाओं में उत्सुकता रही। क्विज प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के इतिहास, भूगोल, पुरातत्व पर्यटन, संस्कृति, लोक कला, खेती-किसानी सहित अन्य विषय पर आधारित प्रश्न पूछे गए और सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

प्रदर्शनी के अंतिम दिन महाविद्यालयों की छात्राओं ने प्रदर्शनी का आनंद उठाया और प्रदर्शनी की सराहना की। छात्रा सुश्री अनु पाण्डेय और सुश्री सुधा कुर्रे ने प्रदर्शनी के बारे में कहा कि यहां आजादी के लिये किए गए सभी संघर्षों और छत्तीसगढ़ के वीर क्रांतिकारियों के बारे में रोचक जानकारी दी गई है। इसी तरह गोबरा नवापारा निवासी हेमलाल यादव ने बताया कि जनसंपर्क विभाग ने बहुत ही अच्छा आयोजन किया है। इस प्रकार की प्रदर्शनी समय-समय पर लगनी चाहिए जिससे आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ेगी।

उल्लेखनीय है कि इस प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विगत 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किया था। सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी में आजादी की लड़ाई में छत्तीसगढ़ के क्रांतिकारियों का योगदान और उनके महत्वपूर्ण दस्तावेज, स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान उनकी जीवन यात्रा, जंगल सत्याग्रह, भारत छोड़ो आन्दोलन एवं स्वतन्त्रता आंदोलन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में उनके योगदानों को प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही मुख्य योजनाओं जैसे महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, रामलला दर्शन योजना, कृषक उन्नति योजना, महिला सशक्तीकरण, पीएम जनमन योजना, मुख्यमंत्री जनदर्शन आदि योजनाओं को प्रमुख रूप से शामिल किया गया। प्रदर्शनी स्थल पर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में आगंतुकों को छत्तीसगढ़ राज्य शासन के लोक कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभिन्न पुस्तकों का भी वितरण नि:शुल्क किया गया।

आजादी की 77वीं वर्षगांठ पर आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी का लोगों ने किया अवलोकन

राजधानी के कचहरी चौक स्थित टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आजादी की 77 वीं वर्षगांठ पर आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी का आमजन, स्कूल तथा महाविद्यालयीन छात्रों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं ने अवलोकन किया। महेंद्र साहू, सुरेश कुमार दिवान, खेमलाल यादव, सुधा कुर्रे, इंद्राणी कुर्रे ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से आम लोगो के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी होने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के महान वीर सपूतों के बारे में भी जानकारी हुई। निजी संस्थान में कार्यरत महावीर कौशिक ने कहा कि प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ से जुड़ी रोचक जानकारी लोगो को आकर्षित कर रही है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति के बारे में जानकारी से लोगों को अवगत कराया जा रहा है। इसी तरह रायपुर पी.जी.उमाठे उत्कृष्ट अंग्रेजी स्कूल से आये कुणाल साहू,कान्हा बर्मन,टिकेश्वर साहू,चरण यादव,लक्की नायक आदि बच्चों ने कहा कि प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता आंदोलनकारियों और शासकीय योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई है। इस जानकारी से ज्ञान में वृध्दि हुई है। इस प्रदर्शनी में देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले छत्तीसगढ़ के महान क्रांतिकारियों की स्मृतियों को सुसज्जित ढंग से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में आजादी की लड़ाई में छत्तीसगढ़ के क्रांतिकारियों का योगदान और उनके महत्वपूर्ण दस्तावेज, स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान उनकी जीवन यात्रा, जंगल सत्याग्रह, भारत छोड़ो आन्दोलन एवं स्वतन्त्रता आंदोलन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में उनके योगदानों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन भी प्रदर्शनी स्थल पर किया जा रहा हैं।

एक फोन से हो रहा समस्या का समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन पर समस्या का समाधान मिल रहा है। रायपुर जिले के मठपुरैना के बडापारा स्थित सार्वजनिक वितरण प्रणाली की संचालित राशन दुकान में चावल का आवंटन करीब एक सप्ताह से नहीं हो रहा था। इस समस्या को लेकर राशन दुकान संचालक ने कमल कुमार सोनकर गुढ़ियारी स्थित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के गोदाम भी गए थे। वहां भी उनकी समस्या का निराकरण नहीं हुआ। जिसके बाद उन्होंने जिला प्रशासन के जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया। जिसके बाद संबंधित विभाग को प्रकरण की जानकारी दी गई, जहां से राशन दुकान पर चावल का आवंटन करवा दिया गया। समस्या का निराकरण होने पर राशन दुकान संचालक कमल कुमार सोनकर ने संतुष्टी जताई और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताया।

वहीं मुख्यमंत्री के सुशासन में नए राशन कार्ड बनाए जा रहे हैं। धरसींवा के गोमची ग्राम सेवती निषाद ने भी नए राशन कार्ड के लिए आवेदन किया था, लेकिन काफी समय तक उनके हाथों में राशन कार्ड नहीं मिल रहा था। इस वजह से राशन नहीं मिलने की चिंता सताने लगी। इसी दौरान निषाद ने जिला प्रशासन के जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन की और अपनी समस्या दर्ज कराई। तभी उनकी समस्या को दर्ज करने के बाद संबंधित विभाग को दी गई और तत्काल मदद की प्रक्रिया शुरू की गई। उनके घर पर उन्हें नया राशन कार्ड दिया गया और राशन दुकान से राशन भी उपलब्ध हो गया है।

बटरफ्लाई पर वॉक एंड टॉक 24 को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर स्थित नंदनवन जंगल सफारी में जैव विविधता संरक्षण सोसाइटी, छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा और पार्थ आईएएस अकादमी के सहयोग से 24 अगस्त को तितलियों पर वॉक और टॉक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रकृति प्रेमियों, छात्रों, शोधकर्ताओं और जनमानस में तितलियों की सुंदरता और उनके पर्यावरणीय महत्व के साथ-साथ जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण में जागरूकता के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में सुबह 7 बजे से दोपहर 10.30 बजे तक विशेषज्ञों द्वारा तितलियों की विभिन्न प्रजातियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी जिसमें प्रतिभागियों को तितलियों की पहचान और उनके संरक्षण के व्यावहारिक अनुभव से रूबरू कराया जाएगा।

रंग परब नाट्य श्रृंखला का आयोजन दिखेगी छग संस्कृतिक की झलक

श्रीकंचनपथ न्यूज

आज से 24 अगस्त तक प्रत्येक शाम 7 बजे से होगी आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को सहजने के उद्देश्य से छतीसगढ़ संस्कृति विभाग द्वारा रंग पर्व नाट्य श्रृंखला का आयोजन 22 से 24 अगस्त 2024 तक रायपुर के मुक्ताकाश मंच, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में किया जाएगा । इस तीन दिवसीय आयोजन में विभिन्न नाटकों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की जनजातीय और लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत की जाएगी।

रंग परब के पहले दिन 22 अगस्त को गोदना नामक नाटक में देवार जनजाति की जीवन शैली, कला और संस्कृति को दर्शाया जाएगा, जिसकी प्रस्तुति गौतम चौबे द्वारा दी जाएगी। इसी प्रकार दूसरे दिन कलंकार नामक नाटक में सामान्य लोक कलाकारों की सच्ची घटनाओं पर आधारित प्रस्तुति नरेन्द्र जलन्धरिया द्वारा की जाएगी। श्रृंखला के अंतिम दिन आदिगाथा नामक नाटक के माध्यम से प्राचीन सीताबेंगरा की इतिहास

और कालीदास के मेघदूत पर आधारित कला संस्कृति को प्रस्तुत किया जाएगा, जिसकी प्रस्तुति किशोर वैभव जायसवाल करेंगे। इस नाट्य श्रृंखला का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करना है। इस नाट्य श्रृंखला की प्रस्तुति प्रतिदिन शाम 7 बजे से होगी।

18 वर्ष में वोटिंग का अधिकार स्व.राजीव की देन-तिवारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में सद्भावना दिवस मनाया गया.सद्भावनादिवस का आयोजन राजीव गांधी स्टडी सर्किल महंत कॉलेज के एनएसएस इकाई द्वारा संयोजक डॉक्टर मुखर्जी एवं लक्ष्मी साहू के नेतृत्व में किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व कुलपति डॉक्टर निगम शंकराचार्य विश्वविद्यालय उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी भारत के स्वप्न द्रष्टा एवं आधुनिक भारत के निर्माता थे उन्हेंने राजीव गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण भारत में जनता की भागीदारी कैसे हो? इसके लिए सुनियोजित ढंग से प्लानिंग करके उसने ग्राम पंचायत की योजना बनाई और कहां की राजीव गांधी के योगदान को भूलाया नहीं जा सकता।

दूसरी ओर कॉलेज के प्राचार्य ने राजीव गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजीव गांधी सच्चे रूप से जो आज आधुनिक भारत दिख रही है उसके निर्माता है। कार्यक्रम में प्रबंध समिति के अध्यक्ष अजय तिवारी ने सभी अथितियों का परिचय कराया एवं राजीव गांधी के द्वार 18 वर्ष के उम्र में वोटिंग का अधिकार दिलवाने की एक बड़ी उपलब्धि से सबको अवगत कराया। कार्यक्रम में प्रो अंजनी शुक्ल, पूर्व अध्यक्ष निजी विश्वविद्यालय, सचिव अनिल तिवारी, सहित सभी प्रध्यापकगण सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रीतम दास ने किया।

शहीद पंकज विक्रम वार्ड में रोपे गए 200 पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रव्यापी पर्यावरण हितेषी आव्हान पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास मन्त्री, लोक निर्माण मन्त्री अरुण साव के मार्गदर्शन में एक पेड़ माँ के नाम रोपित किये जाने का महाभियान नगर पालिक निगम रायपुर के क्षेत्र में निरन्तर प्रगति पर है।

नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 6 के तत्त्वावधान में शहीद पंकज विक्रम वार्ड क्रमांक 58 के क्षेत्र के अंतर्गत गुलाब बाबा मंदिर आरएमएस कॉलोनी मार्ग के दोनों ओर सघन पौधरोपण आयोजन रखा गया। आयोजन में प्रमुख रूप से संभागीय आयुक्त महादेव कावरे, नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे,रायपुर के पूर्व उप महापौर गजराज पगारिया, नगर निगम जोन 6 जोन अध्यक्ष निशा देवेन्द्र यादव, जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल, स्वच्छता एम्बेसडर सुभांगी आप्टे, संजय यादव शासकीय स्कूल की प्राचार्या शुभ्रा तिवारी, नगर निगम जोन 6 जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, उप अभियंता हिमांशु चंद्राकर, संजय यादव स्कूल के विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्त्ता संतोष तिवारी,बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, गणमान्यजनों, नवयुवकों, महिलाओं सहित नगर निगम जोन 6 अधिकारियों, कर्मचारियों, श्रमवीरों ने एक पेड़ माँ के नाम सुरक्षित स्थानों पर रोपित किया एवं नीम, कचनार एवं अन्य विभिन्न प्रजातियों के लगभग 200 पौधे रोपित कर प्रत्येक रोपित किये प्रत्येक पौधे की सुरक्षा एवं देखभाल करने का सामूहिक संकल्प समाजहित एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से लिया।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर होटल व ढाबे में कार्रवाई

55 अवैध सिलेंडर और 17 हजार लीटर से अधिक ज्वलनशील तेल जब्त, सुरक्षा मानकों को पुख्ता रखने दी समझाईश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न होटलों और ढाबों पर कार्रवाई की। यह कार्रवाई सुरक्षा मानकों और नियमों के उल्लंघन सहित घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक संस्थानों में उपयोग की जांच के लिए की गई। छापेमारी के दौरान टीम ने 55 अवैध सिलेंडर सहित 17 हजार 800 लीटर ज्वलनशील तैलीय पदार्थ जब्त किए। खाद्य नियंत्रक भूपेन्द्र मिश्रा ने बताया कि सिलेंडरों का रख-रखाव और सुरक्षा मानकों में खामियां पाई गई।

कलेक्टर डॉ सिंह ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित जांच की जाए और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को चेतावनी दी है कि वे नियमों का पालन करें, अन्यथा उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में सहायक खाद्य अधिकारी श्रीमती पवित्रा अहिरवार श्रीमती भारती हर्ष एवं खाद्य निरीक्षक विवेक मिश्रा, श्रीमती वीणा किरण साहू, श्रीमती श्रद्धा चैहान, शैलेन्द्र एक्का एवं देवेश देवदास का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इन पर हुई कार्रवाई

होटल हाईवे इन से 4 नग इंडेन कम्पनी के व 12 नग गो गैस कम्पनी के कुल 16 नग, सीजी 04 ढाबा से 21 नग एवं तेलीबांधा स्थित अशोका बिरयानी से 18 नग गैस सिलेण्डर जप्त किया गया। सिलतरा क्षेत्र में अतुल रबर प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड सिलतरा से 138 नग गो गैस सिलेण्डर तथा 17800 लीटर दुर्गंध युक्त ज्वलनशील तैलीय पदार्थ (जिसे फर्नेस ऑयल बताया गया) जप्त किया गया। द्रवीकृत पेट्रोलियम (प्रदाय और वितरण विनियमन) आदेश 2000 के कंडिकाओ का उल्लंघन किये जाने एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नही किये जाने के कारण इन संस्थाओ से कुल 55 नग गैस सिलेण्डर एवं 17800 लीटर दुर्गंध युक्त ज्वलनशील तैलीय पदार्थ को जब्त किया गया।

मेरे लिए गंभीर किरदार निभाना मुश्किल थाः जैस्मीन भसीन

बिग बॉस 14, फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी और नागिन 4 में काम करने वाली मशहूर अभिनेत्री जैस्मीन भसीन ने कहा है कि उनके लिए एक गंभीर किरदार निभाना बहुत मुश्किल था, क्योंकि उनकी छवि पहले से ही एक बहुत ही खुशमिजाज इंसान की है।

इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'अरदास सरबत दे भले दी' की तैयारियों को लेकर अभिनेत्री ऑस्ट्रेलिया में फिल्म के प्रचार कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात कर रही हैं। वीडियो में जैस्मीन कहती हुई सुनाई दे रही हैं, जब आपकी छवि पहले से ही एक जीवंत व्यक्ति की हो, तो खुद को एक गंभीर भूमिका के लिए तैयार करना बहुत मुश्किल होता है। ऐसे में एक कलाकर के लिए अपने दर्शकों को किसी भूमिका की गंभीरता के बारे में समझाना बहुत मुश्किल हो जाता है। मैं सेट पर हर बार जानबूझकर यही सोचती थी कि, 'जैस्मीन यहां नहीं है, किरदार यहां है'। 'अरदास सरबत दे भले दी' में पंजाबी सुपरस्टार गिप्पी ग्रेवाल, गुरप्रीत सिंह घुग्गी, प्रिंस कंवलजीत सिंह भी हैं। फिल्म को गिप्पी ग्रेवाल ने लिखा और निर्देशित किया है। पंजाबी फिल्मों के साथ-साथ हिंदी टेलीविजन में काम कर चुकी जैस्मीन भसीन ने 2011 में तमिल फिल्म 'वानम' से डेब्यू किया था। उन्होंने गिप्पी ग्रेवाल के साथ कॉमेडी-ड्रामा 'हनीमून' से पंजाबी फिल्मों में डेब्यू किया था। अभिनेत्री वर्तमान में अली गोनी को डेट कर रही हैं। अर्जेंटीना जाने से पहले दोनों की पहली मुलाकात 2018 में मुंबई में हुई थी। उन्हें रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन 9 में 10 अन्य लोगों के साथ देखा गया था। अर्जेंटीना में शूटिंग के दौरान उनकी दोस्ती हुई और वे अच्छे दोस्त बन गए। कहा जा रहा है कि यह जोड़ा जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएगा।

अनन्या पांडे की कॉल मी बे का ट्रेलर जारी, 6 सितंबर को प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम

फिल्मों के बाद अब अनन्या पांडे ओटीटी पर कदम रखने जा रही हैं। वहीं कई स्टार किड्स को लॉन्च कर चुके करण जौहर ने उन्हें ये मौका दिया। फाइनली अमेजन प्राइम वीडियो ने अनन्या पांडे की नई सीरील कॉल मी बे का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस कॉमेडी-ड्रामा में वीर दास,वरुण सूद, मुस्कान जाफरी, विहान समेत अन्य एक्टर्स नजर आएंगे।

ट्रेलर की शुरुआत होती है अनन्या पांडे से जिनका नाम बेला चौधरी है लेकिन वो खुद को बे बुलाती हैं। बेला का जन्म एक बहुत ही रईस घर में हुआ है और वो प्रॉपर साउथ दिल्ली की लड़की हैं। बे मस्ती से अपनी जिंदगी जी ही रही होती है कि एक समय उसकी जिंदगी में ऐसा मोड़ आता है कि उसकी पूरी ग्लैमरस दुनिया अचानक से बिखर जाती है।

उसकी आराम भरी जिंदगी अचानक मुंबई की सड़कों पर आ जाती है जहां उसे अपने लिए काम ढूंढ़ना है। इस दौरान वो पब्लिक ट्रांसपोर्ट से लेकर मुंबई में एक पत्रकार के चुनौतीपूर्ण जीवन को अपनाने की कोशिश करती है।

अपने ओटीटी डेब्यू पर बात करते हुए अनन्या ने कहा, शुरुआत से ही मुझे पता था कि कॉल मी बे एक ऐसा प्रोजेक्ट है जिसका मैं हिस्सा बनना चाहती थी। स्क्रिप्ट सुने बिना भी, मुझे पता था कि यह कुछ खास होने वाला है। एक एक्टर के तौर पर बे का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत रोमांचक भरा था। 8 एपिसोड की इस वेब सीरीज को कोलिन डी कुन्हा ने डायरेक्ट किया है। एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर में करण जौहर,अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा शामिल हैं। कॉल मी बे का प्रीमियर 6 सितंबर, 2024 को भारत और दुनिया भर के 240 देशों में होगा। इस सीरीज को इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर ने लिखा है। यह प्राइम वीडियो पर तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा के साथ हिंदी में स्ट्रीम होगी।

बबिता उर्फ मुनमुन दत्ता ने ग्लैमरस लुक्स से फैंस को बनाया दीवाना

तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम की जानी-मानी अभिनेत्री बबिता उर्फ मुनमुन दत्ता आए दिन अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। अब हाल ही में उनकी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनकी खूबसूरती को देखकर जेठालाल ही नहीं आप भी फिदा हो जाएंगे, यकीन ना हो तो देखिए ये ग्लैमरस फोटोज।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा से हर दूसरे घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी और ग्लैमरस लुक्स से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ब्लू कलर का स्टाइलिश स्लीवलेस गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो किलर लुक्स में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस उन पर फिदा हो गए हैं। ओपन हेयर को स्टाइलिश लुक देकर और सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

एक्ट्रेस के इस लुक को देखकर फैंस ने कॉमेंट्स की झड़ी लगा दी है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है-यू लुक एलिगेंट एंड ग्लैमरस। मुनमुन दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। मुनमुन दत्ता के चाहने वाले उनकी हर एक फोटोज पोस्ट होने का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

खाली पेट ज्यादा पानी पीने से हो सकती हैं ये गंभीर समस्याएं

जानें एक्सपर्ट्स की राय

बहुत से लोग सुबह उठते ही खूब सारा पानी पीते हैं, क्योंकि इसे हेल्थ के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आपने सोचा है कि जरूरत से ज्यादा पानी पीना हानिकारक भी हो सकता है? खासकर अगर आप खाली पेट ज्यादा पानी पीते हैं, तो यह आपकी हेल्थ के लिए सही नहीं होता है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि सुबह पानी पीने की सही मात्रा क्या होनी चाहिए और ज्यादा पानी से क्या परेशानियां होती है।

इलेक्ट्रोलाइट्स का असंतुलन

हमारा शरीर इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन पर निर्भर करता है। इलेक्ट्रोलाइट्स मिनरल्स होते हैं जो शरीर के कई महत्वपूर्ण कामों में मदद करते हैं। जब हम ज्यादा पानी पीते हैं, तो यह संतुलन बिगड़ सकता है। इससे कमजोरी, थकान, और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

किडनी पर दबाव बढ़ना

किडनी का काम शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालना होता है। जब हम जरूरत से ज्यादा पानी पीते हैं, तो किडनी पर दबाव बढ़ जाता है। इससे किडनी सही तरीके से काम नहीं कर पाती और आगे चलकर किडनी से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

हीपोनेट्रेमिया का खतरा

ज्यादा पानी पीने से शरीर में सोडियम का स्तर कम हो सकता है, जिसे हीपोनेट्रेमिया कहते हैं। यह स्थिति काफी गंभीर हो सकती है। इसके लक्षणों में उल्टी, मांसपेशियों में ऐंठन, और सिरदर्द शामिल हैं। अगर समय पर इसका इलाज न हो, तो यह जानलेवा भी हो सकता है।

पाचन तंत्र पर असर

खाली पेट ज्यादा पानी पीने से पाचन तंत्र पर भी असर पड़ सकता है। इससे पेट में गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

एक्सपर्ट्स की राय

एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुबह उठते ही पानी पीना हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन इसकी मात्रा पर ध्यान देना जरूरी है। सामान्य तौर पर 1-2 गिलास पानी पर्याप्त होता है। इससे ज्यादा पानी पीने से बचना चाहिए, खासकर अगर आपका पेट खाली है।

सही तरीका क्या है?

- गुनगुना पानी पिएं: सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीना सबसे बेहतर होता है। यह आपके पाचन तंत्र को सक्रिय करने में मदद करता है।
- धीरे-धीरे पिएं: एक साथ ज्यादा पानी पीने से बचें। धीरे-धीरे पानी पिएं ताकि शरीर उसे अच्छे से अवशोषित कर सके।
- अपनी जरूरत को समझें: हर व्यक्ति के शरीर की जरूरतें अलग होती हैं। अपनी दिनचर्या, मौसम, और शारीरिक गतिविधियों के हिसाब से पानी पिएं।

जरूरी बातें

सुबह खाली पेट पानी पीना हेल्थ के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन ज्यादा पानी पीने से बचना चाहिए। सही मात्रा और सही तरीके से पानी पीना आपकी हेल्थ के लिए बेहतर होगा।

क्राइम, मिस्ट्री, थ्रिलर से भरा द बकिंघम मर्डर्स का टीजर आउट, मेकर्स ने करीना कपूर के किरदार से उठाया पर्दा

करीना कपूर की आगामी क्राइम थ्रिलर द बकिंघम मर्डर्स का आधिकारिक टीजर रिलीज हो गया है। टीजर के साथ ही करीना कपूर के फैंस और दर्शकों में इसकी उत्सुकता नए स्तर पर पहुंच गई है। हंसल मेहता की निर्देशित और करीना कपूर खान, शोभा कपूर और एकता कपूर द्वारा निर्मित यह फिल्म इसी साल सितंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर पिछले साल जियो मामी फेस्टिवल में हुआ था।

मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर द बकिंघम मर्डर्स का आधिकारिक टीजर शेयर किया। इस दौरान मेकर्स ने करीना कपूर के किरदार का खुलासा भी किया। मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, मिलिए डिटेक्टिव सार्जेंट जसमीत भामरा से। देखिए कैसे वो छुपी सच्चाईयों से पर्दा उठाती हैं। द बकिंघम मर्डर्स में करीना कपूर एक डिटेक्टिव सार्जेंट का किरदार निभाएंगी, जिसका नाम जसमीत भामरा है।

टीजर की शुरुआत इस दिल दहला देने वाली घटना से होती है, जो उसके किरदार को न्याय की तलाश में ले जाती है। क्राइम, मिस्ट्री और थ्रिलर से भले टीजर में करीना कपूर का किरदार जसमीत भामरा अपने बच्चे को खो देती है। अपने बच्चे का पता लगाने के लिए डिटेक्टिव सार्जेंट ज्वाइन करती हैं। इस दौरान जसमीत भामरा को कई ऐसे सीन्स का सामना करना पड़ता है, जो एक मां के रूप में उन्हें कमजोर कर देती है। टीजर का अंत एक खूनी सीन से होता है।

करीना कपूर ने भी अपनी आने वाली फिल्म का टीजर अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया है और कैप्शन में फिल्म का रिलीज डेट 13 सितंबर लिखा है। करीना कपूर के धांसू टीजर पर फैशन डिजाइन रिया कपूर और फैंस का रिएक्शन आया है। रिया ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में फायर वाला इमोजी छोड़ा है। वहीं, फैंस को द बकिंघम मर्डर्स का टीजर काफी पसंद आया है। एक फैन ने लिखा है, मन को झकझोर देने वाला टीजर। फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। एक दूसरे फैन ने लिखा है, नेशनल अवॉर्ड लोडिंग। एक फैन लिखा है, यह ब्लॉकबस्टर होगी।

हंसल मेहता की निर्देशित द बकिंघम मर्डर्स में करीना कपूर खान और रणवीर बरार अहम भूमिका में हैं। वहीं, ऐश टंडन, असद राजा, प्रभलीन संधू, संजीव मेहरा, अदवोआ अकोतो, जैन हुसैन जैसे कलाकार को-स्टार्स शामिल है। यह फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

आम के साथ-साथ उसके पत्तों के भी होते हैं कई औषधीय लाभ

आम को फलों का राजा माना जाता है और इसका स्वाद लाजवाब होता है। हालांकि, काफी कम लोग इस बात से वाकिफ हैं कि आम के साथ-साथ उसके पत्ते भी कई औषधीय लाभों से समृद्ध होते हैं। आम के पत्तों के अर्क का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में मधुमेह, दस्त और अस्थमा सहित कई बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है। आम के मौसम के जाने से पहले उसके पत्तों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाकर ये 5 लाभ पाएं।

मधुमेह के इलाज में मददगार

आम की पत्तियों में एंथोसायनिडिन्स नामक फाइटोकेमिकल्स और टैनिन होते हैं, जो ब्लड शुगर के बढ़े हुए स्तर को कम कर सकते हैं। इनमें

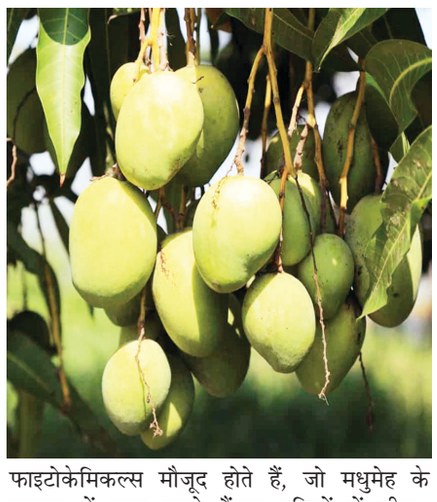

फाइटोकेमिकल्स मौजूद होते हैं, जो मधुमेह के उपचार में मदद करते हैं।इन पत्तियों में बीटा-टारैक्सेरोल नामक यौगिक होता है, जो इंसुलिन के साथ मिलकर ग्लूकोज को सक्रिय करता है और ग्लाइकोजन के संश्लेषण को बढ़ाता है।आम के पत्ते मधुमेह एंजियोपैथी और मधुमेह रेटिनोपैथी के इलाज में मदद करते हैं, जो मधुमेह की जटिलताएं हैं।

वजन रहता है नियंत्रित

आम के पत्तों में मैंगिफेरिन नामक यौगिक होता है, जो एडिपोनेक्टिन को सक्रिय करने में मदद करता है। एडिपोनेक्टिन एक तरह का प्रोटीन है, जो शरीर में वसा चयापचय और शर्करा को संतुलित करता है।अध्ययनों से पता चलाता है कि आम के पत्ते कोशिकाओं में वसा के संचय को रोकते हैं, जिससे मोटापा कम होने लगता है।आप आम के पत्तों को खान-पान का हिस्सा बनाकर अपना वजन घटा सकते हैं और उसे नियंत्रित भी रख सकते हैं।

किडनी की पथरी के उपचार में सहायक

आप अपनी डाइट में आम के पत्तों को शामिल करके किडनी की पथरी से छुटकारा पा सकते हैं। इन्हें रात भर पानी में भिगो के रख दें, फिर सुबह मिक्सी में पीसकर इनका पाउडर बना लें।इस पाउडर को सुबह-शाम पानी के साथ खाएं। ऐसा करने से किडनी की पथरी को तोड़कर शरीर से बाहर निकालने में मदद मिल सकती है।आप इन घरेलू नुस्खों की मदद से किडनी की पथरी का उपचार कर सकते हैं।

रक्तचाप होता है कम

आम के पत्तों में हाइपोटेंसिव गुण होते हैं, जिसका मतलब है कि ये रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये पत्ते रक्त वाहिकाओं को मजबूत बनाने के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।आप इन पत्तों से बनी हर्बल चाय पीकर रक्तचाप को नियंत्रित कर सकते हैं और बढ़ी हुई नसों का उपचार कर सकते हैं।आम के पत्तों की चाय बनाने के लिए पत्तों को कुछ देर पानी में उबालें। इसके बाद इन्हें छानकर पीएं।

पेट के लिए फायदेमंद

संपूर्ण स्वास्थ्य का समर्थन करते हुए निरोग रहने के लिए अपने पेट के स्वास्थ्य को दुरुस्त रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसा करने के लिए आप आम के पत्तों को आहार का हिस्सा बना सकते हैं।आम के पत्तों को रात भर गर्म पानी में भिगो दें और छानकर इसे रोजाना खाली पेट पीएं। इससे आपको कब्जी, दस्त और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल जाएगा।आप इन खाद्य पदार्थों से पाचन स्वास्थ्य को दुरुस्त रख सकते हैं।

सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाएगी ई-ऑफिस प्रणाली

सीएम साय ने किया ई-ऑफिस प्रणाली व स्वागतम पोर्टल का शुभारम्भ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने और शासकीय काम-काज में पारदर्शिता लाने के लिए सभी क्षेत्रों में आईटी का व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल शुरू हो गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तीन पोर्टलों ई-ऑफिस प्रणाली, मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाइन पोर्टल और स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पहल से सुशासन के साथ शासकीय कामकाज में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार सरकारी काम-काज में अधिक से अधिक पारदर्शिता लाने के लिए अधिकाधिक क्षेत्रों में आईटी का उपयोग किया जा रहा है, ताकि भष्ट्राचार की गुंजाइश न रहे। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर ये तीनों ऑनलाईन पोर्टल तैयार किए गए हैं, जिसका शुभारंभ यहां मंत्रालय महानदी भवन में बटन दबाकर मुख्यमंत्री ने किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्य सचिव को सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के निर्देश देने संबंधी फाइल का डिजिटल अनुमोदन कर ई-ऑफिस प्रणाली का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि सुशासन के संकल्प को पूरा करने की दिशा में ई-आफिस प्रणाली और स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस और सरकारी काम में पारदर्शिता के उद्देश्य से सभी विभागों में आईटी के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। डिजिटल गवर्नेंस को हर स्तर पर ले जाने के लिए हम काम कर रहे है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है।

आज हम लोगों ने सरकारी कामकाज में अधिक पारदर्शिता और आमजन की सुविधा के लिए एक साथ तीन-तीन ऑनलाइन प्रणाली का शुभारंभ किया है। तीनों पोर्टल का शुभारंभ प्रदेश में सुशासन स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा। ई-ऑफिस प्रणाली से फाइलों के निराकरण में अनावश्यक देरी नहीं होगी। गलती की गुंजाइश कम होगी। फाइल किस स्तर पर है, इसकी ट्रेकिंग हो सकेगी।

इसी तरह मंत्रालय में मुख्यमंत्री, मंत्रीगणों और अधिकारियों से मिलने जो आंगतुक आते है, उनकी सुविधा के लिए स्वागतम पोर्टल भी शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सीएमओ पोर्टल के शुभारंभ की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों, जनहितैषी फैसलों और काम-काज की जानकारी आम लोगों को मिलेगी।

गौरतलब है कि ई-ऑफिस प्रणाली शुरुआती चरण में सामान्य प्रशासन विभाग में लागू किया गया है, जिसे क्रमशः सभी विभागों में लागू किया जाएगा। ई-आफिस प्रणाली में आफिस के दस्तावेज डिजिटल किये जाएंगे। दस्तावेज को एक आफिस से दूसरे आफिस भेजे जाने पर काफी समय लगता था, यह समय अब बच जाएगा। इसके साथ ही दस्तावेज में हेरफेर किये जाने की गुंजाईश समाप्त हो जाएगी। दस्तावेजों के खोने या गायब होने की दिक्कत नहीं रहेगी। डिजिटल माध्यम में दस्तावेज अधिक सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब तय समय-सीमा पर फाइलों का निराकरण हो सकेगा। इससे अधिकारियों के कामकाज की मॉनिटरिंग भी आसान हो सकेगी। ई-आफिस सिस्टम आने से आम जनता के लिए भी अपने आवेदनों के निराकरण की स्थिति जानने में आसानी होगी।

इसी प्रकार मंत्रालय में प्रवेश हेतु स्वागतम पोर्टल के माध्यम से आगंतुकों के प्रवेश की व्यवस्था आसान हो जाएगी। आगंतुकों से संबंधित विवरणों के संधारित हो जाने से मंत्रालय परिसर की सुरक्षा सुदृढ़ होगी। इसके साथ ही सीएमओ पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया। सीएमओ पोर्टल के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी एक क्लिक पर लोगों को मिल सकेगी। इस पोर्टल के माध्यम से छत्तीसगढ़ के कला संस्कृति इतिहास और अन्य विशेषताओं के बारे में लोग जान पाएंगे। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों और उससे संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां इस पोर्टल पर उपलब्ध होगी।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, खाद्यमंत्री दयालदास बघेल, विधायक मोतीलाल साहू, गजेंद्र यादव, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद, बसवराजू एस, सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव राहुल भगत, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव मुकेश बंसल, अन्बलगन पी. सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

भोरमदेव महोत्सव से पहले निर्माण कार्य पूर्ण कराएं : विजय

उपमुख्यमंत्री ने भोरमदेव मंदिर रख-रखाव के संबंध में पुरातत्व विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बुधवार को अपने निवास कार्यालय में संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग तथा कबीरधाम जिले से आये नागरिकों एवं पुजारी के साथ भोरमदेव मंदिर के जीर्णोद्धार के संबंध में बैठक ली। बैठक में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं को बढ़ाने और मंदिर परिसर के विकास के विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

बैठक में उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बरसात के दिनों में पानी रिसाव की समस्या को तत्काल दूर करे। उन्होंने संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि मंदिर के इतिहास से संबंधित वीडियो डॉक्यूमेंटेशन बनाये ताकि श्रद्धालु मंदिर के इतिहास से परिचित हो सके। उन्होंने श्री डी डिजाइन और लिडार सर्वे करवाने के निर्देश भी दिए। साथ ही भोरमदेव महोत्सव से पहले वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्य और ट्रीटमेंट को पूरा करने के निर्देश दिए।बैठक

में संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संचालक विवेक आचार्य, सहायक अभियंता चेतन मनहरे, उप अभियंता दिलीप साहू, कबीरधाम क्षेत्र के आदित्य श्रीवास, अजय चंद्रवंशी, आशीष पाठक, अमित वर्मा, दुर्गेश दुबे एवं खोरु सिंह उपस्थित थे।

बैठक में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं को बढ़ाने और मंदिर परिसर के विकास के विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई।श्रद्धालुओं के लिए शेड का निर्माण, चौकीदार क्वाटर को मंदिर के पास से अन्यत्र शिफ्ट करने तथा मंदिर के पीछे वीआईपी रूम बनाने चर्चा की गई। इसके अलावा मंदिर के पीछे और वीआईपी रूम के बीच की दीवाल को हटाकर ग्रील और गेट लगाने, भैरव मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और हनुमान मंदिर आदि के पारंपरिक स्वरूप बरकरार रखने जे निर्देश दिए। इसके अलावा आवश्यकता होने पर वन विभाग के माध्यम से पेड़ों की रखरखाव के भी निर्देश उन्होंने अधिकारियों को दिए ।

मंदिर के बाहरी हिस्से के सौंदर्यीकरण के लिए पर्यटन विभाग के अंतर्गत प्रसाद योजना के तहत प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए। इसके अंतर्गत रोड का चौड़ीकरण, मेन गेट के बाहर पार्किंग की व्यवस्था, ई-रिक्शा का संचालन, तालाब का सौंदर्यीकरण, बाउंड्रीवाल के चारों ओर शिव कथाओं से संबंधित भित्ति चित्र बनवाने का प्रस्ताव भेजा जाएगा।

बैठक में भोरमदेव मंदिर से छेड़की महल-मड़वा महल तक पक्की सड़क के निर्माण करवाने, मंदिर परिसर में सोलर लाइट्स और सीसीटीवी कैमरे लगाने, साथ ही मंदिर परिसर के ड्रेनेज सिस्टम में सुधार और फ्लोरिंग की जगह सेंड स्टोन लगाने के लिये चर्चा की गई।क्योंकि यह क्षेत्र पुरातत्व विभाग के अंतर्गत आता है इसलिए सभी कार्य पुरातत्व विभाग की अनुमति से ही किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में लोगों की समस्याओं का हो रहा है समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह ग्राम बगिया में संचालित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के माध्यम से पीड़ितों एवं जरूरतमंदों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय पहुंचे श्रवणबाधित अर्जुनराम यादव को श्रवण यंत्र और दिव्यांग अशोक दुबे को ट्राई सायकल प्रदान किया गया। दोनों ने अपनी समस्या का तत्काल समाधान होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया है।

गौरतलब है कि श्री साय की पहल पर उनके गृह ग्राम बगिया में आम लोगों की समस्याओं के सामाधान के लिए मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थापित किया गया है। अंचल के लोग बड़ी उम्मीद के साथ यहां पहुंच रहे हैं। कैंप कार्यालय में लोगों की समस्याओं को न केवल गंभीरतापूर्वक सुना जाता है, बल्कि उसका त्वरित समाधान भी किया जाता है।

जशपुर जिले के ग्राम फरसाबहार, बरटोली निवासी 60 वर्षीय अर्जुनराम यादव पिछले 40 सालों से दोनों कानों से सुनाई नहीं देने की समस्या से पीड़ित थे। इससे उन्हें अपने दैनिक जीवन में काफी परेशानी होती

थी। अपनी इस समस्या को लेकर वे मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया पहुंचे। कैंप कार्यालय में उनकी समस्या को तत्काल संज्ञान लेते हुए श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। श्रवण यंत्र मिलने से वे काफी प्रसन्न हैं उन्हें अब लोगों की बातें सुनाई देने लगी है। इसी तरह कुनकुरी निवासी 62 वर्षीय दिव्यांग अशोक दुबे चलने-फिरने में असमर्थ थे। ट्राई सायकल की मांग को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री कैंप में आवेदन किया। कैंप कार्यालय द्वारा उन्हें ट्राई सायकल दे दी गई है। श्री दुबे ने ट्राई सायकल मिलने पर प्रसन्नता जताई और मुख्यमंत्री श्री साय को धन्यवाद दिया।

पहाड़ी कोरवा छतकुंवर अब बन गई शिक्षिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा से ताल्लुक रखने वाली छतकुंवर की पहचान अब शिक्षिका के रूप में होगी। छत्तीसगढ़ के संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन कोरबा द्वारा छतकुंवर को सहायक शिक्षक के रूप में नौकरी दे दी गई है। विशेष पिछड़ी जनजाति की होने के बावजूद छतकुंवर ने पोस्ट ग्रेजुएशन तक शिक्षा हासिल करने के साथ कम्प्यूटर में डिप्लोमा भी की है। छतकुंवर के उच्च शिक्षा हासिल करने के पीछे तत्कालीन कलेक्टर पी. दयानंद की विशेष प्रेरणा रही है।

कोरबा में कलेक्टर रहने के दौरान पी. दयानंद एक बार दौरे में कोरबा ब्लॉक के आंछीमार गांव पहुंचे थे। इस दौरान गांव में सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी पहाड़ी कोरवा जनजाति की छात्रा छतकुंवर से मुलाकात हुई थी। कलेक्टर ने छतकुंवर को उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा था कि उसे नौकरी हासिल करने के लिए आगे की पढ़ाई पूरी करनी होगी।

पोस्ट ग्रेजुएट छतकुंवर आज सहायक शिक्षिका के रूप में करतला ब्लॉक के शासकीय माध्यमिक शाला नोनबिर्रा में अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर रही है। विषम परिस्थिति में एक गरीब परिवार में पली-बढ़ी वह कहती है कि उन्हें खुशी है कि तत्कालीन कलेक्टर पी. दयानंद ने उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया था। उनकी प्रेरणा का ही परिणाम है कि वह पोस्ट ग्रेजुएट तक शिक्षा हासिल कर शिक्षक बन गई हैं।

छतकुवंर का कहना है कि पहाड़ी कोरवा समाज अभी भी बहुत पिछड़ा हुआ है। समाज के कुछ लोग ही शिक्षा हासिल कर पाये हैं। उन्हें नौकरी दिए जाने से जो पिछड़े हुए हैं उन्हें भी प्रेरणा मिल रही है। वे लोग भी पढ़ाई करने स्कूल जा रहे हैं।

अब पक्की सड़क पर फर्राटे भरेंगे कमार जनजाति के लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के गरियाबंद जिले में अकलवारा और कमारपारा के आस-पास के इलाकों में निवासरत कमार विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग पक्की सड़क के निर्माण से बेहद खुश हैं। अब उन्हें ब्लॉक मुख्यालय छुरा और जिला मुख्यालय गरियाबंद जाने-आने में होने वाली दिक्कतों से निजात मिल जाएगी। छुरा विकासखण्ड के गांव अकलवारा से कमारपारा तक का कच्चा कीचड़युक्त मार्ग अब प्रधानमंत्री जनमन योजना से मिली स्वीकृति के चलते पक्की डामर सड़क में तब्दील हो रहा है।

इस सड़क का निर्माण तेजी से जारी है। लगभग 1.125 किलोमीटर लंबी सड़क का जीएसबी कार्य और इसके मध्य तीन पुलियों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। अकलवारा और कमारपारा का क्षेत्र विशेष पिछड़ी कमार जनजाति बाहुल्य है। पक्की सड़क न होने से इस इलाके में आवागमन एवं बुनियादी सुविधाओं को पहुंचाना कठिन था। पक्की सड़क का निर्माण शुरू हो जाने से एम्बुलेंस, उज्ज्वला योजना के गैस की गाड़िया, मोबाइल मेडिकल यूनिट और मुख्यमंत्री हाट

बाजार क्लिनिक योजना की गाड़ियां यहां पहुंचने लगी हैं।

गौरतलब है कि पीएम जनमन योजना और छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं के समन्वय से राज्य में विशेष पिछड़ी जनजाति कमार, अबूझमाड़िया, बैगा, बिरहोर, पहाड़ी कोरवा बाहुल्य इलाकों में बुनियादी सुविधाओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास, पीडीएस खाद्यान्न, बिजली, स्कूल, आंगनबाड़ी, सड़क-नाली आदि का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से पिछड़ी जनजातियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से जोड़कर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। अकलवारा से कमारपारा सड़क बन जाने से क्षेत्र के लगभग डेढ़ हजार लोगों को आवागमन के लिए बारहमासी पक्की सड़क की सुविधा मिल जाएगी।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के गरियाबंद ज़िले में कमार जनजाति के 3,350 परिवार रहते हैं। इनकी आबादी 14,285 है। कम जनसंख्या, कम साक्षरता दर, कृषि की आदिम तकनीक और आर्थिक पिछड़ेपन के कारण कमार जनजाति को विशेष पिछड़ी जनजाति घोषित किया गया है। कमार जनजाति का मुख्य भोजन चावल या कोदो का पन्ना, उबला चावल, बेलिया, अरहर, मूंग, पीली दाल, काला चना तथा मौसमी सब्जियां, मांस, जंगली साग आदि हैं। छत्तीसगढ़ में कमार जनजाति की सर्वाधिक जनसंख्या गरियाबंद, मैनपुर, छुरा, नगरी, मगरलोड,महासमुंद एवं बागबाहरा विकासखंडो के छोटे-छोटे ग्रामों में निवासरत हैं। कमार जनजाति के लोग अपनी उत्पत्ति मैनपुर विकासखंड के देव डोगर गांव से मानते हैं और कमारी भाषा और छत्तीसगढ़ी भाषा बोलते हैं।

स्कूली बच्चों पर अब शासन की सीधी नजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए राजधानी रायपुर में विद्या समीक्षा केंद्र स्थापित किया गया है। स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में राज्य में एक और बड़ी पहल की गई है, जिसमें स्कूलों के साथ उनमें पढ़ने वाले प्रत्येक बच्चे के प्रदर्शन पर भी अब सीधी नजर रखी जाएगी। सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल एप्प का विकास तथा कॉल सेंटर के माध्यम से मॉनिटरिंग आई.आई.टी. भिलाई के सहयोग से की जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं की ऑनलाइन मॉनिटरिंग एवं आंकड़ों के विश्लेषण करने के लिए रायपुर स्थित पेंशनबाड़ा में विद्या समीक्षा केन्द्र की स्थापना की गई है। इस केन्द्र के माध्यम से शासन की योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू एवं मॉनिटरिंग करने में आसानी होगी।

स्कूल और उनमें पढ़ने वाले एक-एक बच्चों के प्रदर्शन का रीयल टाइम ब्यौरा मुहैया कराएगा। विद्या समीक्षा केंद्र की स्थापना से शासन की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित जानकारी एवं सुविधाओं को विद्यार्थियों, पालकों एवं शिक्षकों तक आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। शालाओं में मूलभूत संरचनाओं की उपलब्धता, मरम्मत, उपयोगिता आदि की सतत् मॉनिटरिंग की जायेगी ताकि विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए उचित एवं पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हो सके तथा बेहतर शिक्षा प्रदान की जा सके। इसके द्वारा शिक्षकों की पदस्थापना से सबंधित जानकारियों की भी मॉनिटरिंग की जा रही है।

विद्या समीक्षा केन्द्र के अंतर्गत शिक्षकों का विवरण, यूडाइस डाटा, मध्यान्ह भोजन, शिक्षक प्रशिक्षण से सबंधित मॉनिटरिंग, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति, अधिकारियों के द्वारा शालाओं का निरीक्षण, विद्यार्थियों का मूल्यांकन आदि तथा केन्द्र सरकार से सबद्ध शैक्षिक योजनाओं की नियमित आनलाइन मानिटरिंग की जायेगी। योजनाओं की मॉनिटरिंग हेतु साफ्टवेयर एवं एप्प भी तैयार किया जा रहे हैं। योजनाओं की मॉनिटरिंग हेतु काल सेंटर स्थापित किया गया है। विद्यार्थियों, पालकों एवं शिक्षकों की शैक्षिक गतिविधियों से संबंधित समस्याओं का समाधान करने के लिये एक टोल-फ्री नम्बर भी जारी किया जायेगा। स्कूल में मूलभूत सुविधाएँ जैसे शाला भवन, शौचालय, विद्युत् व्यवस्था आदि उपलब्ध है अथवा नहीं है, के सबंध में एआई आधारित माड्यूल के उपयोग से जानकारी प्राप्त की जा रही है। प्राप्त जानकारियों की सूची के साथ की सहायता से स्कूलों का चिन्हांकन भी किया जा रहा है।

एआई के उपयोग से ही बच्चों को दी जाने वाली मध्यान्ह भोजन की जानकारी प्राप्त की जा रही है। एआई के माध्यम से ही मध्यान्ह भोजन के अंतर्गत बच्चों को परोसी जानी वाली सामग्रियों की गुणवत्ता का विश्लेषण किया जायेगा, जिससे बच्चों को पर्याप्त मात्रा में भोजन मिल रहा है कि नहीं इसकी जानकारी भी प्राप्त हो सकेगी। एआई के उपयोग से शिक्षकों के डाटा के विश्लेषण की सुविधा भी विद्या समीक्षा केन्द्र के अंतर्गत तैयार की गई है। विषयवार शिक्षकों की जानकारी, अतिशेष शिक्षकों की जानकारी, एकल शिक्षकों की जानकारी भी प्राप्त की जा सकेगी। भविष्य में एआई के उपयोग से विद्यार्थियों के अकादमिक आंकलन/मूल्यांकन का विश्लेषण किया जायेगा जिससे कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष फोकस किया जा सकेगा। शाला में उपलब्ध सुविधाएँ, शिक्षकों की जानकारी तथा विद्यार्थियों के अकादमिक गतिविधियों के आंकड़े के आधार पर एआई आधारित विश्लेषण किया जायेगा। प्राप्त जानकारी एवं विभिन्न पैरामीटर के आधार पर शालाओं की रैंकिंग की जाएगी।

ज्ञातव्य है कि एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा 12-13 अगस्त को नई दिल्ली में विद्या समीक्षा केंद्र के सम्बन्ध में कार्यशाला का आयोजन किया था जिसमें छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के नोडल आफिसर शामिल हुए थे। उक्त कार्यशाला में विद्या समीक्षा केंद्र छत्तीसगढ़ द्वारा विकसित एआई-मॉड्यूल की जीवंत प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसकी भारत शासन, शिक्षा मंत्रालय द्वारा सराहना की गई। छत्तीसगढ़ के एआई-मॉड्यूल को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष कार्य करने तथा अन्य राज्यों के साथ साझा करने के सम्बन्ध में भारत शासन से ई-मेल प्राप्त हुआ है। शीघ्र ही एआई-मॉड्यूल को विकसित रूप भारत शासन, शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

खास खबर

रात्रि गस्त के दौरान पुलिस ने बाइक चोरों को पकड़ा, आठ दोपहिया वाहन किया जब्त

रायपुर। इन दिनों चोरी, डकैती, लूटपात और मारपीट जैसे अपराधिक घटनाओं में नाबालिग बालकों की संलिप्तता बढ़ रही है। वे बेखौफ होकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे ही एक मामला राजधानी रायपुर से सामने आया है। पुलिस ने रात्रि गस्त के दौरान एक नाबालिग को पकड़ा है। बाइक चोरी की मंशा से आरोपी रात को घूम रहा था, उसके कब्जे से पुलिस ने आठ नग बाइक जब्त किया है। इसकी कीमत लगभग चार लाख रुपए है। पूरा मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है।

थाना मंदिर हसौद पुलिस की टीम थाना क्षेत्र में रात्रि गश्त के लिए निकले हुए थे। इस दौरान दोपहिया वाहन में सवार एक लड़का देर रात्रि संदिग्ध अवस्था में दिखा। जब पुलिस की गाड़ी आते हुए देखा तो भागने लगा। इस पर पुलिस ने उसे घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में लड़का विधि के साथ संघर्षरत बालक होना पाया गया। टीम के सदस्यों ने उसकी तलाशी ली। उसके पास हथौड़ी और चाकू मिला। पूछताछ करने पर बालक ने चोरी करने की नियत से घुमना बताया। चोरी के दोपहिया वाहन के संबंध में पूछताछ करने पर उसने रायपुर के पंडरी, देवेन्द्र नगर सहित अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अलग-अलग जगहों से अन्य आठ नग दोपहिया वाहन चोरी करना बताया। मामले में नाबालिग बालक को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर कब्जे से चोरी की कुल आठ नग दोपहिया वाहन जब्त किया गया। इसकी कीमती लगभग चार लाख रुपए आंकी गई है। साथ ही हथौड़ी और चाकू जब्त भी किया गया। विधि के साथ संघर्षरत बालक से जब्त चोरी की 01 नग दोपहिया वाहन में उसके विरूद्ध थाना मंदिर हसौद में अपराध क्रमांक 443/24 धारा 379 भादवि., 02 नग वाहन में थाना पंडरी में तथा 01 नग वाहन में थाना देवेन्द्र नगर में अपराध पंजीबद्ध है।

अनियंत्रित वाहन पलटा, दो दर्जन से ज्यादा मजदूर घायल

जीपीएम। मरवाही में मजदूरों से भरी मालवाहक अनियंत्रित होकर दुर्घटना की शिकार हो गई हादसे में मालवाहक में बैठे लगभग दो दर्जन से मजदूर घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए मरवाही के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। जिसमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है। फ्लिहाल मरवाही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सभी मजदूर धान रोपाई के लिए आए हुए थे और वापसी के दौरान उनकी गाड़ी हादसे का शिकार हो गई।

सभी मजदूर मरवाही के कटरा गाव के रहने वाले थे और कासबहरा में धान रोपाई के लिए गए हुए थे और काम खत्म होने के बाद कल शाम जब सभी माल वाहक वाहन में बैठकर वापस अपने घर कटरा जाने निकले थे। उसी दौरान पीपरडाड गांव के पास जैसे ही उनकी गाड़ी पहुंची। गाड़ी से चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसके बाद आनन-फानन में 1 घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। वाहन में सवार सभी को चोट आई है। जिसमें से चार लोगों को गम्भीर चोट आई है। जिनका इलाज जारी है। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही मरवाही पुलिस भी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। फिलहाल सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

रिसाली में युवक की मौत, डिवाइडर से टकराने के बाद आया कार के नीचे

■ **रक्षाबंधन पर राखी बंधवाकर दोस्तों के साथ लौट रहा था युवक**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रक्षाबंधन पर बहन से राखी बंधवाकर आ रहे स्कूटी सवार तीन युवक हादसे का शिकार हो गए। कृष्णा टाकीज रोड पर डिवाइडर से टकराने के बाद स्कूटी पर पीछे बैठा युवक उछलकर दूसरी ओर गिरा और ठीक उसी समय सामने से आ रही नेक्सॉन कार ने उसे कुचल दिया। युवक की मौत हो गई और स्कूटी सवार अन्य दो घायल हो गए। हादसे की सूचना के बाद नेवई पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। पीएम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया। वहीं घायलों का इलाज जारी है। वहीं इस हादसे का एक सीसी फुटेज भी सामने आया है।

सीसी टीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि स्कूटी पर सवार तीनों युवक अपना संतुलन खो बैठते हैं। इस दौरान डिवाइडर के गैप वाले हिस्से में स्कूटी टकराती है। इस दौरान स्कूटी की रफ्तार भी काफी ज्यादा थी

जिसके कारण पीछे बैठा युवक हवा में उछलता हुआ डिवाइडर से दूसरी ओर सड़क पर गिर जाता है। ठीक उसी समय सामने से आ रही कार युवक को कुचलते हुए निकल जाती है। सीसी टीवी फुटेज में साफदिख रहा है कि युवक के ऊपर से कार गुजर जाती है जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान रुआबांधा बस्ती वार्ड 63 आजाद चौक निवासी प्रशांत कुमार महला के रूप में हुई है।

नेवई पुलिस ने बताया कि प्रशांत कुमार महला रक्षाबंधन पर अपने दोस्त दीनू और एक अन्य युवक के साथ सोमवार शाम हनोदा गए थे। रात ज्यादा होने के कारण तीनों वहीं रुक गए और दूसरे दिन मंगलवार को अपने घर के लिए निकले। सुबह 6 बजे तीनों चंद्राकर टेडर्स के पास पहुंचे और अचानक अनबैलेंस होकर स्कूटी डिवाइडर के गैप से टकरा गई। प्रशांत स्कूटी में पीछे बैठा हुआ था और स्कूटी के टकराने से वह हवा में उछल गया। इसके बाद सड़क के दूसरी ओर कार की चपेट में आने से प्रशांत की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों और शव को जिला अस्पताल दुर्ग भेजा। वहां दो का इलाज जारी है। पोस्टमार्टम के बाद प्रशांत के शव को उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शेयर मार्केट में ज्यादा मुनाफे का लालच देकर बीएसपी कर्मी से 11 लाख की ठगी

वाट्सएप्प में ग्रुप बनाकर जोड़ा, एडमिन भेजता था शेयर कंपनी के नाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी कर्मचारी को शेयर मार्केट में ट्रेडिंग कर अधिक मुनाफे का लालच देकर किश्तों में करीब 11.40 लाख रुपए निवेश करवा लिए और फिर पैसा नहीं लौटाए। जिसकी शिकायत थाने में की गई है। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है।

थाना प्रभारी राजकुमार लहने ने बताया कि, स्ट्रीट 75 सेक्टर-6 निवासी दीपेश कुमार चुघ भिलाई स्टील प्लांट के बीआरएम में पदस्थ हैं। शेयर ट्रेडिंग सीखने के लिए उसने सोशल मीडिया पर आए एक लिंक को क्लिक किया था। इसके बाद उसे दो अलग-अलग वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया। पहली बार 8 मार्च और दोबारा 22 मार्च को दूसरे ग्रुप में जोड़ा गया। इन ग्रुपों में रोजाना ऑनलाइन ट्रेडिंग की क्लासेज लगती थी। इस ग्रुप के एडमिन शेयर ट्रेडिंग सीखने के साथ-साथ क्लास में जुड़े लोगों को कुछ पैसे भी देते थे। वो पैसे उसके अकाउंट में हर हफ्ते आ जाते थे।

क्लास के आखिरी में एडमिन ग्रुप में एक शेयर का नाम भेजता था। ग्रुप में जुड़े लोग उस शेयर को लाखों रुपए लगाकर खरीदते थे। इसके बाद वो लोग उसका स्क्रीनशॉट ग्रुप में भेजते थे। अगले दिन उस शेयर का प्राइस बढ़ने पर उस शेयर को बेचकर बड़े प्रॉफ्टि कमाने का स्क्रीनशॉट ग्रुप में डाला जाता था। उन स्क्रीनशॉट को देखकर दीपेश के मन में भी लालच आया और उसने भी 5 हजार रुपए के इनवेस्ट से शेयर ट्रेडिंग की शुरुआत की। पहली बार में उसे 17 हजार का प्रॉफिट दिखाने लगा। इसके बाद 60300 रुपए इन्वेस्ट किया। इसके बाद ग्रुप के एडमिन ने उसे बड़ी रकम लगाने के लिए कहा, नहीं इन्वेस्ट करने पर ग्रुप से हटाने की धमकी देने लगा। जिसके बाद उसने 5 लाख 60 हजार रुपए का लोन लिया और उसमें से 5 लाख की राशि बताए खाते में 5 मई को इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से जमा करा दी।

प्रॉफिट निकालने के लिए की 5 लाख की डिमांड

5 लाख जमा करने के बाद उसके अकाउंट में कुल प्रॉटि 11 लाख 58 हजार रुपए दिखाने लगा। इसके बाद आईपीओ से रकम डबल करने का झांसा देकर 10 लाख 15 हजार 311 रुपए की और मांग की गई। इस पर उसने 5 लाख रुपए की रकम दोस्तों और रिश्तेदारों से लेकर जमा कर दी। इसके बाद उसके एप्लिकेशन प्रोफाइल (ऐप) में 25 लाख रुपए की रकम दिखाई दी। जब दीपेश ने प्रॉफिट निकालना चाहा तो आरोपियों ने 7 लाख का टैक्स अलग से भरने की बात कही। नहीं भरने पर रकम ट्रांसफर नहीं होने का हवाला दिया गया।

कुम्हारी के केमिकल फैक्टरी में ब्लास्ट के बाद लगी भीषण आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कुम्हारी थाना क्षेत्र के अकोला गांव में स्थित कार्टेल हेल्थ सेंटर फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग के लपटे दूर से नजर आ रही थी। आग बुझाने के लिए 20 से ज्यादा दमकल की गाड़ियां लगी रही। देर रात तक आग पर काबू पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भिलाई तीन एसडीएम महेश राजपूत और छावनी सीएसपी हरीश पाटिल भी पहुंचे। आग से फैक्टरी मालिक को लाखों के नुकसान की संभावना जताई जा रही है।

अकोला गांव के खारुन नदी के किनारे कार्टेल हेल्थ सेंटर फैक्टरी में मेडिकल सर्विसेस में उपयोग होने वाले मास्क, सिरिंज, ग्लव्स और अन्य मेडिकल सामग्री निर्माण किया जाता है। बुधवार की शाम फैक्टरी के एक कमरे में रखे केमिकल में सबसे पहले आग लगी। जिसके बाद गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया और फैक्टरी में भीषण आग ने रूप धारण कर लिया। आग की सूचना फैक्टरी कर्मचारियों ने मालिक को दी। जिसके बाद पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। आग की सूचना पर दुर्ग,रायपुर से दमकल गाड़ियों को बुलाकर आग बुझाया गया। 20 से ज्यादा दमकल गाड़ी आग बुझाने पहुंची। आग फैक्टरी के गोडाउन में अधिक लगी है। वहां भारी मात्रा में सर्जिकल मास्क रखे हुए थे। उसी में आग लगने से तेजी से फैली। आग इतनी तेज थी कि गोडाउन के अंदर फायर कर्मी नहीं घुस पा रहे थे।

तेज रफ्तार हाइवा ने दो छात्रों की ले ली जान गुस्साएं ग्रामीणों ने हाइवा में लगाई आग

■ **आरंग थाना क्षेत्र की घटना, पुलिस की गिरफ्त में हाइवा चालक**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक से स्कूल जा रहे दो छात्रों को टक्कर मारी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। सड़क हादसा को देखकर गुस्साएं ग्रामीणों ने हाइवा को आग हवाले कर दिया।

यह घटना रायपुर जिले के आरंग थाना क्षेत्र के उगेतरा-नवागांव खार के पास हुई है। दोनों छात्र स्कूल जाने के लिए निकले हुए थे। इस दौरान उगेतरा-नवागांव खार के पास तेज रफ्तार मुरूम से भरी हाइवा ने छात्रों की बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद गुस्साएं ग्रामीणों ने हाइवा पर आग लगा दी।

इस सड़क हादसे को लेकर आरंग थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि दोनों छात्र ग्राम तोरला के शासकीय हाईस्कूल में पढ़ाई करते थे। ग्राम उगेतरा निवासी कक्षा 9वीं का

छात्र धीरज सेन और कक्षा 10वीं का छात्र रूपेश साहू दोनों छात्र मोटरसाइकिल से अपने स्कूल जा रहे थे, तभी नवागांव खार के पास विपरीत दिशा के आ रही हाइवा ने छात्रों की बाइक को टक्कर मार दी।

इस सड़क हादसे में दोनों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें अभनपुर स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां 10वीं के छात्र रूपेश साहू की मौत हो गई। वहीं धीरज सेन को इलाज के लिए रायपुर रिफर किया गया था, जहां निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान 9वीं के छात्र धीरज सेन की भी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने हाइवा के चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

शराब के लिए रुपए नहीं दिए तो युवक ने कर दी पोस्टमेन की पिटाई

बिलासपुर। चिट्ठी बांटने कतियापारा पहुंचे डाकिए ने शराब पीने के लिए रुपए देने से मना किया तो युवक ने उससे मारपीट कर दी। कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने जुर्म दर्ज किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अकलतरा कोटमी सोनार निवासी अनिल यादव मुख्य डाक घर बिलासपुर में डाकिया है। मंगलवार को वह चिट्ठी छोड़ने जूना बिलासपुर कतियापारा गया था। दोपहर पौने 2 बजे वह संतोषी मंदिर के पास पहुंचा। इसी समय एक युवक उसके पास आया और अपना डाक मांगने लगा। डाकिए ने उसके नाम का डाक नहीं होने की बात कही, तो वह शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगा। डाकिया ने रुपए देने से इंकार किया, तो उसने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

बिलासपुर में ट्रेन से कटा युवक और अधेड़ का पैर, रेलवे ट्रैक पर बैठकर देख रहे थे मोबाइल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। में एक युवक और अधेड़ मोबाइल देखने में इतने मशगूल हो गए कि उन्हें यह आभास ही नहीं हुआ कि वो रेलवे ट्रैक पर बैठें हैं। इस दौरान एक मालगाड़ी तेजी से आई, तब हड़बड़ाए दोनों लोगों को संभलने और भागने का मौका ही नहीं मिला। ट्रेन उनके पैर से होकर गुजर गई, जिससे दोनों के पैर कट गए। उन्हें गंभीर हालत में सिम्स में भर्ती कराया गया है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

वसुंधरा नगर में रहने वाले सतीश मनहर (20) और सुनील दीवाकर (50) सहित अन्य युवक बुधवार की रात वसुंधरा नगर स्थित अमेरी फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर बैठे थे। सभी मोबाइल देखते हुए आपस में बाचतीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक एक्सप्रेस ट्रेन तेज रफ्तार से आई। मोबाइल देख रहे अधेड़ और युवक को ट्रेन आने की भनक तक नहीं लगी। जब तक वो संभल पाते और अपने आप को बचाने की कोशिश करते, तब तक दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए।

बताया जा रहा है कि जिस समय एक्सप्रेस ट्रेन पटरी पर धड़धड़ाती आई, तब वहां कई युवक बैठे थे। उन्होंने दूर से ट्रेन को देख लिया और अपने साथियों को आवाज देकर भागने के लिए बोला। इस दौरान वहां बैठे युवकों ने तेजी से भागकर अपनी जान बचाई।

मालगाड़ी के चालक ने उसलापुर स्टेशन में दी सूचना

इस हादसे के बाद वहां युवकों की भीड़ जुट गई। तभी वहां से मालगाड़ी भी गुजर रहे थी। उसके चालक ने घायल युवकों को देखकर हादसे की सूचना उसलापुर स्टेशन में स्टेशन मास्टर को दी। जिसके बाद स्टेशन मास्टर ने 108 को कॉल किया। जानकारी मिलते ही संजीवनी 108 के पायलट सुनील गढ़ेवाल और अशोक निराला मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि ट्रेन की चपेट में आने से युवक और अधेड़ का पैर कट गया है। दोनों घायलों को इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 20 मवेशियों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में वनांचल ग्राम केराकछार में आकाशीय बिजली गिरने से 20 मवेशियों की मौत हो गई। वहीं इस घटना से चरवाहे बाल-बाल बच गए हैं। बताया जा रहा है कि जिस समय बिजली गिरी उस समय चरवाहे मवेशियों से दूर थे। इस घटना के बाद गांव में हड़कंप मचा हुआ है। घटना में करीब एक दर्जन किसानों को भारी नुकसान हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस में मौके का निरीक्षण कर पोस्टमार्टम के लिए पशुचिकित्सा विभाग को सूचित किया है।

मिली जानकारी के कोरबा विकासखंड से करीब 20 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत केराकछार में यह घटना घटी है। बुधवार की सुबह भी चरवाहे मवेशियों को लेकर चराने जंगल गए थे। वे 11 बजे दो गांव के करीब एक स्थान पर आराम कर रहे थे। थोड़ी दूर में

ही मवेशी भी बैठे थे। इस बीच अचानक मौसम बदला और आकाशीय बिजली गिरी। जिसकी चपेट में आने से 9 गाय, 7 बैल व 4 बछड़े की मौके पर मौत हो गई, जबकि कई मवेशी झुलस गए। वहीं चरवाहे थोड़ी दूर होने के कारण सुरक्षित बच निकले। उन्होंने गांव पहुंचकर घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर देखा तो मवेशियों मृत पड़ी हुई थी। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। रजगामार पुलिस चौकी प्रभाररी मानसिंह ध्रुव अपनी टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने मौके का मुआयना करते हुए पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सा विभाग को पत्र लिखकर सूचना दी।

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय, दुर्ग (छ.ग.)

क्रमांक/जि.चि./निविदा/2024/6295 — दुर्ग, दिनांक 16/08/2024

जिला चिकित्सालय दुर्ग परिसर में सायकल/स्कूटर स्टैण्ड संचालन हेतु निविदा-आमंत्रण

जिला चिकित्सालय दुर्ग के परिसर में 02 वर्ष के लिए सायकल/स्कूटर स्टैण्ड के संचालन हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र (नियम एवं शर्तें) अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रुपए 1000.00 जमा कर कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किया जा सकता है जो वापसी योग्य नहीं है।

निविदा प्रपत्र (नियम एवं शर्तें) का मूल्य	1000/- (अक्षरी एक हजार रुपये मात्र) जो वापसी योग्य नहीं है।
निविदा फार्म की विक्रय की तिथि एवं समय	विज्ञापन प्रकाशित तिथि 16.08.2024 से दिनांक 16.09.2024 को दोपहर 02.00 बजे तक
निविदा फार्म जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 18.09.2024 दोपहर 02.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 18.09.2024 शाम 04.30 बजे
निविदा फार्म प्राप्त करने का निर्धारित स्थल	जिला चिकित्सालय दुर्ग के पंजीयन कक्ष/ कार्यालय का कक्ष क्रमांक-35

जी-242501912/3

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय सिविल सर्जन-सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय-बेमेतरा (छ.ग.)

ईमेलः - csdhbemetara@gmail.com फोन नं. 07824-222-150

पत्र क्र./जि.चिकि./निविदा/2024-25/1770 — बेमेतरा, दिनांक 20/08/2024

-: निविदा निरस्तीकरण सूचना :-

जिला चिकित्सालय बेमेतरा में निविदा विज्ञप्ति वर्ष 2024-25 के लिए (एक वर्ष के लिए) अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा जिला चिकित्सालय बेमेतरा अंतर्गत भोजन व्यवस्था/सफाई व्यवस्था/सुरक्षा व्यवस्था हेतु पृथक-पृथक सील बंद निविदा कार्यालयीन पत्र क्र./जि.चिकि./निविदा/2024-25/1414 बेमेतरा दिनांक 09.07.2024 Advertisement No. 242500980 के माध्यम से आमंत्रित की गई थी। उक्त निविदा चयन समिति की अनुसंसा उपरांत उक्त निविदा अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

टीपः-

1. पुनः निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी जिले के वेबसाईट http://bemetara.gov.in में पृथक से प्रदाय की जावेंगी।
2. पूर्व में जिन फर्म के द्वारा फार्म हेतु 3000.00 शुल्क जमा किया गया है। संबंधित फर्म के द्वारा पुनः फार्म क्रय करने पर पावती/रसीद के आधार पर निःशुल्क फार्म प्राप्त कर सकते है।

जी-242501925/1

सिविल सर्जन सह. मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय बेमेतरा (छ.ग.)

राकेश ट्रेडर्स

विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।

Dealers

Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध

Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357

Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान

निखार बैंगल

मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

PM SHRI

विष्णु के सुशासन से
सँवर रहा छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर स्कूल अब हर बच्चे का अधिकार

पीएम श्री

प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राईजिंग इंडिया

शिक्षा प्रणाली और अधोसंरचना में दूरदर्शी परिवर्तन का दौर

- पीएमश्री योजना में पहले चरण में राज्य के 193 प्राथमिक स्तर के स्कूल और 18 उच्च माध्यमिक स्तर के स्कूलों को विकसित किया जा रहा है। अगले चरण में 52 स्कूल स्वीकृत
- पीएम श्री योजना के तहत स्कूलों में आधुनिक भवन अधोसंरचना के साथ, परिवर्तनकारी सुविधायुक्त शिक्षा देने की तैयारी
- योजना के तहत स्कूलों का ग्रीन स्कूल, स्मार्ट क्लास, डिजिटल लायब्रेरी, आधुनिक प्रयोगशाला, खेल सुविधा, कैरियर कांउसिलिंग जैसे घटकों के साथ अपग्रेडेशन
- वैश्विक स्तर की शिक्षा देने के लिए शिक्षकों को उच्च शिक्षा- शिक्षण संस्थानों व फैकल्टी के माध्यम से प्रशिक्षण की व्यवस्था, इसके लिए बजट में 60 करोड़ का प्रावधान

RO-41199/1

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय
से जुड़ने के लिए यह क्यू आर कोड स्कैन करें

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950